राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 15 मई 2024 वर्ष–7,अंक–111 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

बाबा और बालकृष्ण को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने योग के क्षेत्र में रामदेव के योगदान की तारीफ की

-अब आईएमए के अध्यक्ष अशोकन को लगी फटकार

नई दिल्ली । पंतजलि भ्रामक विज्ञापन मामले में आचार्य बालकृष्ण और बाबा रामदेव को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल राहत मिल गई। सुप्रीम कोर्ट ने योग गुरु स्वामी रामदेव और बालकृष्ण को अगले आदेश तक पेशी से छूट दी। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने योग के क्षेत्र में बाबा के योगदान की भी तारीफ की है। हालांकि, रामदेव और बालकृष्ण पर कोर्ट की अवमानना का मुकदमा चलेगा या नहीं, इस पर सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने फैसला सुरक्षित रखा। दरअसल, पतंजलि आयुर्वेद द्वारा अपनी दवाओं के लिए 'भ्रामक दावों को लेकर योगगुरु और पतंजलि आयुर्वेद के एमडी आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ अवमानना मामले पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को कहा कि जिन दवाओं के लाइसेंस सस्पेंड किए गए हैं, उन्हें दुकान पर बेचने से रोकने और उन्हें वापस लाने को लेकर उनकी ओर से क्या कदम उठाए गए हैं। इस लेकर हलफनामा दायर करें। सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि से मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। पतंजलि मामले की सुनवाई के दौरान अदालत में आचार्य बालकृष्ण और बाबा रामदेव दोनों मौजूद रहे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारा मकसद बस इतना है कि लोग सतर्क रहें। बाबा में लोगों की आस्था है। उस विश्वास को उन्हें सकारात्मक रूप से इस्तेमाल करना चाहिए। दुनिया भर में योग को लेकर जो बढ़ावा मिला है, उसमें एक योगदान बाबा रामदेव का भी है। इसके बाद बाबा रामदेव ने सुप्रीम कोर्ट की बेंच को धन्यवाद देकर प्रणाम कहा, जिसपर जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा कि हमारा भी प्रणाम। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने आईएमए के अध्यक्ष अशोकन को फटकार लगाकर कहा, आपने इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल क्यों किया? ये बेहद दुर्भागपूर्ण है कि आपने भी वही किया, जो दूसरे पक्ष ने किया। आप जानते थे कि आप क्या कर रहे हैं। आप अपने काउच पर बैठकर कोर्ट के बारे में कुछ भी नहीं कह सकते। आप इस मामले में पक्ष हैं उसके बाद भीज हम आपके हलफनामे से संतुष्ट नहीं हैं। ये बेहद दुर्भागपूर्ण है। इसके बाद अदालत में मौजूद आईएमए अध्यक्ष ने अपने इंटरव्यू को लेकर सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप आईएमए के अध्यक्ष हैं और आईएमए के 3 लाख 50 हजार डॉक्टर सदस्य हैं। किस तरह आप लोगों पर अपनी छाप छोड़ना चाहते हैं।

अन्ना बोले जिनके पीछे ईड़ी पड़ी, उन्हें कभी नहीं चुने

अहमदनगर । अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बहुत बड़ी मुहिम शुरू की थी। उस मुहिम में उनके सारथी अरविंद केजरीवाल थे। अन्ना हजारे की अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही अदावत शुरू हो गई थी। पिछले एक दशक से अन्ना हजारे गुमनामी में चले गए हैं। पिछले 10-12 वर्षों में जो भ्रष्टाचार देश मे हो रहा है। उसके बारे में अथवा मणिपुर में जो घटनाएं हुई हैं। उस पर अन्ना हजारे ने चुप्पी साथ रखी है। केंद्र सरकार के लोकपाल पर भी उन्होंने आज तक कोई बयान जारी नहीं किया है। अब उन्होंने अपने सारथी और परम शिष्य अरविंद केजरीवाल पर एक बार फिर निशाना साधा है। अन्ना हजारे ने मतदाताओं से अपील की है। जिनके पीछे ईड़ी पड़ी है, उन्हें कभी मतदान नहीं करें। अन्ना हजारे ने कहा कि सही उम्मीदवार को चुनना चाहिए। मतदाताओं के हाथ में देश की चाबी है। दिल्ली शराब घोटाले को लेकर उन्होंने अरविंद केजरीवाल की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, मतदाताओं को सही छवि वाले नेताओं का ही चुनाव करना चाहिए। अन्ना राष्ट्रीय स्तर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ एक सिंबल बनकर उभरे थे। जैसे ही केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनी। उसके बाद उन्होंने भ्रष्टाचार और लोकपाल जैसे विषयों पर चुप्पी साध ली है। जिसके कारण उनके प्रशंसकों के बीच में हमेशा चर्चा होती है, कि अन्ना चुप क्यों है।

एक क्लिक पर आयकर से संबंधित सभी जानकारी उपलब्ध होगी

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने ई फाइलिंग पोर्टल पर आयकर दाताओं के लिए नई सुविधा शुरू की है। आयकर दाता आयकर विभाग की ओर से भेजे गए सभी नोटिस को एक साथ एक ही स्थान पर देख सकेंगे। आयकर विभाग ने जो नया पोर्टल शुरू किया है। उसमें ई फाइलिंग तथा ई प्रोसिडिंग इत्यादि की जानकारी एक स्थान पर रख दी गई है। आयकर विभाग के नए टेब पर क्लिक करते ही आयकर दाता की सभी जानकारियां ऑनलाइन उपलब्ध हो जाएगी। टेब में सर्च का ऑप्शन भी दिया गया है। इस नई सुविधा से कर दाताओं को बार-बार आयकर विभाग के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। आयकर विभाग जब करदाता आयकर की रिटर्न नहीं भरता है। बैंक का ब्याज किराए की प्रॉपर्टी से मिलने वाले किराए एवं अन्य आर्थिक लेनदेन की जानकारी आयकर विभाग को मिलती है। तो वह विभिन्न धाराओं के तहत नोटिस जारी करता है। इस तरह के सभी नोटिस की जानकारी अब पोर्टल पर उपलब्ध होगी।

एसआईए ने कश्मीर में कई ठिकानों पर की छापेमारी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर की जांच एजेंसी (एसआईए) ने मंगलवार को दक्षिण कश्मीर जिलों में कई स्थानों पर छापेमारी की। एसआईए के अधिकारियों ने शोपियां, अनंतनाग और कुलगाम जिलों में सुबह-सुबह छापेमारी शुरू की। अधिकारियों ने बताया` कि यह छापेमारी आतंकवादियों द्वारा एक गैर-स्थानीय की हत्या के सिलसिले में की जा रही है। एसआईए अधिकारियों ने कहा कि उनके पास कई सुराग हैं जो शामिल आतंकवादियों की पहचान करने, उनका पता लगाने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने में मदद करेंगे। एसआईए जम्मू-कश्मीर पुलिस की एक आतंकवाद विरोधी शाखा है। यह जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद, नार्को-आतंकवाद और ड्रग की तस्करी से लड़ने के लिए केंद्र शासित

19 रूटों पर जल्द दौड़ेगी वंदे भारत ट्रेन, चार राज्यों को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली। पिछले कुछ सालों में एक से एक वंदे भारत ट्रेनों की सौगात मिली हैं। तेज रफ्तार में चलने वाली ये ट्रेनें लोगों की यात्रा को खास और आसान बना रही हैं। कुछ महीने पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया था कि देश में 82 से ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। उन्होंने यह आंकड़ा फरवरी में दिया था। वंदे भारत ट्रेनों की संख्या लगातार बढ़ रही हैं। अक्सर इन ट्रेनों पर पत्थरबाजी की खबरें भी आती रहती हैं।अब दक्षिण पूर्व रेलवे जोन भीड़ वाले 19 रूटों पर वंदे भारत मेट्रो ट्रेन जल्द चलाएगा। रेलवे ने झारखंड, बिहार, बंगाल और ओडिशा के स्टेशनों पर वंदे भारत मेट्रो ट्रेन चलाने का सर्वे कराया है। इससे टाटानगर से गया, हावड़ा व धनबाद मार्ग पर वंदे भारत मेट्रो ट्रेन चलाने की योजना है, ताकि ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को आधुनिक सुविधा युक्त वंदे भारत मेट्रो ट्रेन की सुविधा मिल सके। अभी रांची से टाटानगर स्टेशन होकर हावड़ा तक वंदे भारत ट्रेन चलती है। इसमें ज्यादातर सीट टाटानगर से बुक होती है। नई योजना से वंदे भारत मेट्रो ट्रेन रांची, बोकारो, राउरकेला, टोरी, आसनसोल व खड़गपुर से दीघा, बालासोर व अन्य मार्गों पर चलनी है।रेलवे के अनुसार, यात्रियों की मांग पर नए मार्ग पर वंदे भारत मेट्रो ट्रेन चलाने की योजना है, जहां जल्द ट्रायल होगा। वंदे भारत मेट्रो ट्रेन चलने से जोन के झारखंड, बंगाल व ओडिशा स्थित पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। दूसरी ओर, वंदे भारत मेट्रो ट्रेन के लिए उक्त मार्ग पर चलने वाली ट्रेनों में टिकट बुकिंग और यात्रियों की संख्या पर भी रेलवे की नजर है। प्रदेश के खुफिया विभागों के समग्र नियंत्रण में काम करती है।

भावुक हुए मोदी बोले-

मां के निधन के बाद गंगा ही है मेरी मां

वाराणसी। वाराणसी लोकसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल करने से पीएम नरेंद्र मोदी भावुक हो गए। उन्होंने अपनी मां को याद करते हुए कहा कि अब गंगा ही मेरी मां है और मां गंगा ने मुझे गोद लिया है। उन्होंने कहा कि मेरा वाराणसी से ऐसा नाता है कि मैं बनारसिया हो गया हूं। इस दौरान उन्होंने मां हीराबेन को याद करते हुए कहा कि मेरी मां ऐसी थीं कि वह हमेशा जीवन में शुद्धता को महत्व देती थीं। उन्होंने कहा कि जब मां का 100वां जन्मदिन था तो मैं उनका आशीर्वाद लेने पहुंचा था। इस दौरान मां ने मुझे मंत्र दिया था-काम करो बुद्धि से और जीवन जियो शुद्धि से। ऐसी बात कोई कवि भी नहीं कह सकता, जैसे मां ने कहा था।

पीएम मोदी ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने काफी आशीर्वाद दिया है। यूपी में इस बार एक भी सीट कांग्रेस को नहीं मिलेगी। रायबरेली से राहुल गांधी की संभावनाओं को लेकर पीएम ने कहा कि इस परिवार को मीडिया ने ही खड़ा कर रखा है। बीते 70 सालों से इन लोगों को मीडिया ने महत्व दे रखा है, लेकिन जनता इनका सच जान चुकी है। पीएम मोदी ने कहा कि यूपी की जनता अब परिवारवाद पर भरोसा नहीं करती।लोकसभा चुनाव में 400 पार का नारा देने पर पीएम मोदी ने कहा कि मैं तो इटली में जी-7 में जाने का प्लान बना रहा हूं। जी-7 का आयोजन लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद होना है। उन्होंने कहा कि 400 पार की बात कोई नारा नहीं है बल्कि जनता का संकल्प है। यूपी में सपा के साथ कांग्रेस के लड़ने पर पीएम मोदी ने कहा कि ये लोग तो पहले भी आए थे। पर इनका क्या हुआ था। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उनके शासन में राज्य में बड़े सुधार हुए हैं। मेरे लिए गर्व की बात है कि मेरे पास सैकड़ों ऐसे होनहार लोग हैं। पीएम मोदी ने कहा कि अब तो जनता ही यह मानती है कि मोदी को मजबूत करो ताकि वह दुनिया में देश का नाम रोशन करे। इस दौरान जब उनसे कहा गया कि आप धूप में खड़े हैं, दिक्कत हो रही होगी। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि मुझे धूप परेशान नहीं करती। मैंने अपनी जिंदगी सुविधा के बिना ही जी है।

लिट्टे पांच साल के लिए और प्रतिबंधित

-देश की अखंडता और सुरक्षा का हवाला दे केंद्र सरकार ने प्रतिबंध बढ़ाया

नई दिल्ली। लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) पर लगे प्रतिबंध को केंद्र सरकार ने मंगलवार को 05 साल के लिए और बढ़ा दिया है। लिट्टे पर प्रतिबंध बढ़ाए जाने का मुख्य कारण संगठन द्वारा लोगों के बीच अलगाववाद की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना और भारत में, खासकर तमिलनाडु में अपने स्वयं के लिए समर्थन आधार को बढ़ाने का प्रयास करना है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 3 की उप-धारा (1) और (3) को लागू कर लिट्टे पर प्रतिबंध लगाया है। गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी करते हुए कहा, कि केंद्र सरकार का मत है कि लिट्टे अभी भी उन गतिविधियों में लिप्त है जो देश की अखंडता और सुरक्षा के लिए हानिकारक हैं। इस अधिसूचना में आगे कहा गया, कि मई, 2009 में श्रीलंका में अपनी सैन्य हार के बाद भी, लिट्टे ने ईलम (तमिलों के लिए एक स्वतंत्र देश) की अवधारणा को त्यागा नहीं है और गोपनीय रूप से धन जुटाने का काम करते हुए ईलम के लिए कार्य कर रहा है। ऐसे में लिट्टे के प्रतिबंध को 05 साल के लिए बढ़ा दिया गया है।

आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा की हुई शुरुआत, अब तक 488 श्रद्धलुओं ने कराया पंजीयन

हल्द्वानी। विश्व प्रसिद्ध आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा की विधिवत शुरूआत हो गई है। पहले दल में 49 यात्री हैं। जिसमें 31 पुरुष और 17 महिलाएं शामिल हैं। ये दल 8 दिन में आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा के साथ-साथ कुमाऊं मंडल के मंदिरों के दर्शन कर वापस लौटेगा। अब तक कुल 488 लोगों ने इस यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। केएमवीएन द्वारा यात्रियों की सुख-सुविधा रहने और खाने की पूरी व्यवस्था यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ावों में की गई है। यात्रा अक्टूबर माह तक चलेगी। हालांकि, यह मौसम पर निर्भर करेगा कि यात्रा लगातार चलेगी या जुलाई में बारिश के चलते यात्रा को रोकना पड़ेगा। इस यात्रा के शुरू होने से काठगोदाम से लेकर धारचूला तक पर्यटन व्यवसाय पर खासा असर पड़ेगा। आदि कैलाश यात्रा का पहला दल सोमवार को काठगोदाम के केएमवीएन गेस्ट हाउस से रवाना हुआ। कुमाऊं मंडल विकास निगम के जीएम ने आदि कैलाश यात्रा के पहले दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व यात्रा करने आए श्रद्धालुओं का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया।कुमाऊं मंडल विकास निगम के महाप्रबंधक विजय नाथ शुक्ल ने बताया कि पिथौरागढ़-चीन बॉर्डर पर आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन के लिए हर साल देश और दुनिया से सैकड़ों यात्री आते हैं। हालांकि, बीते साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन करने आए थे। जिसके बाद यहां पर्यटकों के आने का तांता लग गया। यहां रहने वाले स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिलने लगा। अब इस इलाके को भी डेवलप करने का काम शुरू कर दिया गया है।

-अलग-अलग नंबरों से आई कॉल्स, सर्च ऑपरेशन शुरु

दिल्ली के चार अस्पतालों को उड़ाने की फिर मिली धमकी, पुलिस अलर्ट

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बीच लगातार बम से उड़ाने की धमकी मिल रही हैं। अभी कुछ दिन पहले ही दिल्ली एनसीआर के स्कूलों में बम धमाके की धमकी मिली थी इस लोग भूल भी नहीं पाए कि फिर राजधानी दिल्ली के चार अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जानकारी मिलते ही पुलिस अलर्ट हो गई है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली के चार अस्पतालों में बम से उड़ाने की धमकी का कॉल आया। दिल्ली फायर सर्विस के डायरेक्टर अतुल गर्ग की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया कि आज सुबह 10 बजकर 45 मिनट पर दिल्ली के अशोक विहार स्थित दीपचंद अस्पताल में एक कॉल आया और बम की धमकी दी गई। इसके बाद 10 बजकर 55 मिनट पर एक मोबाइल नंबर ने दादा देव अस्पताल डाबरी में बम की थ्रेट मिली। 11 बजकर 1 मिनट पर लेंडलाइन नंबर से हेडगेवार अस्पताल फर्श बाजार को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। वहीं 11 बजकर 12 मिनट पर अलग नंबर से दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट, जीटीबी अस्पताल गेट नंबर 8 के पास एक मोबाइल नंबर से कॉल आई और यहां भी बम की धमकी मिली। इन सभी कॉल्स के बाद दिल्ली पुलिस और दिल्ली फायर डिपार्टमेंट अलर्ट मोड पर हैं और सर्च ऑपरेशन शुरु कर दिया है। बता दें इससे पहले 12 मई को भी आठ सिटी अस्पताल और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी बम से उड़ाने की धमकी की कॉल्स आई थीं। जब जांच की गई तो सभी कॉल फर्जी निकलीं थी। एनसीआर के 100 से ज्यादा स्कूलों में भी बम होने के ईमेल से हड़कंप मच गया था। इन स्कूलों में एनसीआर के बड़े स्कूल शामिल थे। यह ईमेल रशियन सर्वर पर ईमेल आईडी बनाकर की गई थी और इसमें इस्लाम और जिहाद के नाम एक बड़ा सा संदेश भी टाइप किया गया था। फिलहाल सभी मामलों में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच कर रही है।

चाबहार समझौते से जहां कारोबार बढ़ेगा वहीं पाकिस्तान और चीन पर दबाव भी रहेगा

नई दिल्ली। ईरान का चाबहार बंदरगाह अब भारत के नियंत्रण में आ गया है। इससे पाकिस्तान और चीन बैचेन हो गए है। वजह ये है कि चाबहार पर भारत के नियंत्रण होने से जहां कारोबार बढ़ेगा वहीं चीन और पाकिस्तान पर भी दबाव बनेगा। भारत के इस कदम से न केवल देश को मध्य एशिया के साथ कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी, बल्कि इस कदम को चीन और पाकिस्तान के लिए करारा जवाब भी माना जा रहा है।

ऐसा इसलिए क्योंकि चीन द्वारा विकसित किये जा रहे ग्वादर बंदरगाह और अब भारत द्वारा संचालित किये जाने वाले चाबहार बंदरबाग के बीच समुद्री मार्ग की दूरी केवल 172 किलोमीटर है और ऐसे कई देश हैं जो चाबहार बंदरगाह का यूज अपने कारोबार के लिए करना चाहते हैं।

भारत की यह डील रणनीतिक रूप से काफी अहम है, क्योंकि इससे मध्य एशिया तक भारत की राह सीधी और आसान हो जाएगी। ईरान के साथ यह करार क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और अफगानिस्तान, मध्य एशिया और यूरेशिया के साथ भारत के संबंधों को बढ़ावा देगा। भारत का इस बंदरगाह को अपने कंट्रोल में लेना पाकिस्तान स्थित ग्वादर बंदरगाह (जिसे चीन डेवलप कर रहा है) के साथ-साथ चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का जवाब भी है। भारत, ईरान और अफगानिस्तान के बीच ट्रांजिट ट्रेड के केंद्र के रूप में स्थित यह बंदरगाह पारंपरिक सिल्क रोड के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। यह पोर्ट व्यापार और निवेश के अवसरों के रास्ते खोलेगा और इससे भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। भारत, ईरान और अफगानिस्तान के बीच ट्रांजिट ट्रेड के केंद्र के रूप में स्थित यह बंदरगाह पारंपरिक सिल्क रोड के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। यह पोर्ट व्यापार और निवेश के अवसरों के रास्ते खोलेगा और इससे भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।भारत चाहता रहा है कि यह चाबहार बंदरगाह अंतर्राष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) में एक प्रमुख केंद्र बने। आईएनएसटीसी ईरान के माध्यम से भारत और रूस को आपस में जोड़ता है।

यह भारत, ईरान, अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ढुलाई के लिए 7,200 किलोमीटर की मल्टी-मोड परिवहन परियोजना है। अहम बात यह है कि चाबहार बंदरगाह ईरान का एकमात्र गहरे समुद्र वाला बंदरगाह है, जिसकी समुद्र तक सीधी पहुंच है। दिलचस्प बात यह है कि इसे अमेरिकी प्रतिबंधों से भी छूट प्राप्त है, जो इसे न केवल भारत के लिए बल्कि अन्य देशों के लिए भी एक आकर्षक संभावना बनाता है। रिपोर्ट की मानें तो कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान जैसे कई मध्य एशियाई देशों ने हिंद महासागर क्षेत्र और भारतीय बाजार में अपना सामान लाने-ले जाने के लिए चाबहार बंदरगाह का इस्तेमाल करने की इच्छा जताई है।

चीन के मंसूबों होंगे नाकाम

चीन द्वारा ग्वादर बंदरगाह को अपने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के हिस्से के रूप में शामिल करने के बाद यह बंदरगाह भारत के लिए और भी महत्वपूर्ण हो गया है। मध्य एशिया में चीन के मंसूबों पर चाबहार बंदरगाह से भारत अब आसानी से पानी फेर सकता है और चीन के प्रभाव को कम कर सकता है। चाबहार बंदरगाह हिंद महासागर में प्रभाव का विस्तार करने के चीन के प्रयासों का मुकाबला करने के भारत के लक्ष्य को भी पूरा करता दिख रहा है।

साथ ही भारत का यह बंदरगाह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा को काउंटर करेगा।

संपादकीय

परीक्षा परिणाम

देश के सबसे बड़े शिक्षा बोर्ड सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं परिणाम घोषित कर दिए। समग्रता में पिछले वर्षों की तुलना र परिणाम अपेक्षाकृत अच्छे हैं। 10वीं में 93.60 प्रतिशत ं को सफलता मिली है। कुल 22,38,827 विद्यार्थियों में 67 उत्तीर्ण हुए हैं। 12वीं के परिणाम भी बेहतर हैं, 87.98 वेद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। 10वीं के परिणामों की बात करें, तो पास होने वाले विद्यार्थियों की संख्या में इजाफा हुआ है। 23 में 10वीं कक्षा का पास प्रतिशत 92.12 था, पर इस प्रतिशत 93.60 है। इस बार भी लड़कियों की सफलता का अच्छा रहा है। जहां 92.71 प्रतिशत लड़कों को सफलता वहीं सफल होने वाली लड़कियों का प्रतिशत 94.75 और ने वाले ट्रांसजेंडर का प्रतिशत 91.30 है। ट्रांसजेंडर और के बीच पढ़ाई की लगातार बढ़ती जागरूकता सुखद है। हमें ा रखना चाहिए कि 10वीं या 12वीं पास करने वाले ं ने अपनी पढ़ाई पर कोरोना और लॉकडाउन का भयानक या देखा है। अब आने वाले वर्षों में हम ज्यादा बेहतर परिणाम द कर सकते हैं। इन परिणामों के आधार पर अगर स्कूलों ता को देखें, तो एक बार फिर जवाहर नवोदय विद्यालय और वेद्यालय के विद्यार्थियों ने सबसे बेहतर 99.09 प्रतिशत केया है। निजी व स्वतंत्र स्कूलों के भी 94.54 प्रतिशत सफल हुए हैं। सरकारी स्कूलों में सफलता का प्रतिशत ?। यह सवाल फिर एक बार प्रासंगिक हो गया है कि क्या स्कूलों को केंद्रीय विद्यालय के स्तर का बनाया जा सकता ारी स्कूलों और विशेष रूप से सरकारी सहायता प्राप्त र बहुत ध्यान देने की जरूरत है। सरकारी और सरकारी प्राप्त इन स्कूलों के 13 प्रतिशत से 16 प्रतिशत बच्चों को मयाबी नहीं मिल रही है, इसका मतलब है, इन स्कूलों में स में से एकाधिक बच्चों की पढ़ाई चुनौती है। ऐसे बच्चों के ायन होना चाहिए। केंद्रीय विद्यालय में अगर सौ में से शायद विद्यार्थी ही विफल होता है, तो इनकी तारीफ करने के साथ बुनियादी ढांचे और पढ़ाई से सीखने की जरूरत है। ताजा फिर इशारा हैं कि सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त बुनियादी ढांचे के साथ-साथ शैक्षणिक माहौल में भी सुधार त है। सरकारी स्कूलों के साथ चलताऊ व्यवहार अब छोड़ ए। दक्षिण भारत के स्कूलों का प्रदर्शन उत्तर भारत के बहुत बेहतर है। परीक्षा देने वाले ज्यादातर बच्चों के बीच माहौल है और 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने वाले की संख्या 2,12,384 है, जबकि 95 प्रतिशत से ज्यादा वाले विद्यार्थियों की संख्या 47,983 है। मतलब ढाई लाख विद्यार्थियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है, पर जिन विद्यार्थियों ाकृत कम अंक मिले हैं, ऐसा नहीं है कि उन्हें निराश हो हिए। जिन्होंने अपेक्षाकृत कम अंकों के साथ 10वीं पास उनके पास 12वीं की परीक्षा ज्यादा बेहतर अंकों के साथ ने का मौका है। 10वीं और 12वीं में कम अंक लाने वाले ं ने भी आगे जिंदगी में कामयाबी के झंडे गाड़े हैं। ये परीक्षा तो महज एक पड़ाव हैं, इनसे सबक लेकर आगे बढ़ना

आज का राशीफल

बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।
बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।
पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

पीओके के हाथ से निकल जाने के डर से सहमा पाकिस्तान

(लेखक- ललित गर्ग)

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार की तानाशाही, उदासीनता, उपेक्षा एवं दोगली नीतियों के कारण हालात बेकाबू, अराजक एवं हिंसक हो गये हैं। जीवन निर्वाह की जरूरतों को पूरा न कर पाने से जनता में भारी आक्रोश एवं सरकार के खिलाफ नाराजगी चरम सीमा पर पहुंच गयी है। गेहूं के आटे और बिजली की ऊंची कीमतों के खिलाफ जबरदस्त आंदोलन चल रहा है। प्रदर्शनकारियों एवं सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गयी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं। पीओके के लोग पाकिस्तान सरकार की नाकामी के खिलाफ सड़कों पर हैं। पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा था। पीओके की आवाज दबाने के लिए पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल को तैनात किया है एवं आन्दोलनकारियों को दबाने की दमनकारी कोशिशें की जा रही है। पीओके के बगावती तेवर देख पाकिस्तान के हाथ-पांव फूल गये हैं। दरअसल, अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान के कब्जे के बाद से ही पीओके लगातार सरकार की उपेक्षा, उत्पीडन एवं उदासीनता झेल रहा है। उसकी समस्याओं और विकास पर ध्यान देने की बजाय पाकिस्तान का जोर वहां आतंकियों के ट्रेनिंग कैंप खोलने पर ज्यादा रहा। पाकिस्तान की सरकार ने पीओके का इस्तेमाल भारत में अशांति, आतंक एवं हिंसा फैलाने के लिये किया है, वह पीओके के माध्यम से कश्मीर को हडपने की हर संभव कोशिश करता रहा है, लेकिन वहां के निवासियों की जरूरतों पर कभी ध्यान नहीं किया। यूं तो अभी समूचे पाकिस्तान के हालात बद से बदतर हैं, गरीबी, महंगाई एवं आर्थिक दिवालियापन से घिरा है, दुनियाभर से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिये झोली लिये घूम रहा पाकिस्तान भारत में अशांति एवं आतंक फैलाने से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल, पाकिस्तानी कमरतोड़ महंगाई एवं जनसुविधाओं से जूझ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 3 अरब डॉलर के कर्ज की मंजूरी देते समय कड़ी शर्तों लगाई थीं, जिसके कारण स्थिति और खराब हो गई है। बिजली दरों में बढ़ोतरी से दिक्कतें बढ़ गई हैं और पाकिस्तान में लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए हैं। इन्हीं जर्जर एवं जटिल हालातों के बीच पीओके के हालात पाकिस्तान के लिये नया सिर दर्द बन गया है। पाकिस्तान के सुरक्षा बल प्रदर्शनकारियों के मुजफराबाद मार्च को दबाने की जितनी कोशिश कर रहे हैं, विरोध प्रदर्शन उतना ही उग्र हो रहा है। पीओके की अवामी एक्शन कमेटी के मार्च और धरने के आह्वान के बाद बेकाबू होते हालात 1955 के अवज्ञा आंदोलन की यादें ताजा कर रहे हैं, जब पीओके के लोगों और पाकिस्तानी फौज में सीधा टकराव हुआ था। अब फिर पीओके के लोगों के उबलते गुस्से ने पाकिस्तानी हुकूमत के माथे पर बल बढ़ा दिए हैं, समस्या को अनियंत्रित एवं अनिश्चित हालात में पहुंचा दिया है। पीओके के सबसे उत्तरी इलाके गिलगित बाल्टिस्तान के लोग पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग कर रहे हैं। पीओके में आजादी के नारे लगने एवं उसे लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग के बाद शहबाज शरीफ सरकार और पाकिस्तानी सेना दोनों सकते में है। पाकिस्तान के अत्याचार के खिलाफ पीओकी की जनता जिस तरह खड़ी हो गई, उसने पाकिस्तानी नीति निर्माताओं को तनाव में ला दिया है। हजारों की संख्या में कश्मीरी लोग पीओके में जगह-जगह सड़कों पर उतर आए तो पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा है। पीओके में

विरोध को दबाने के लिए पाकिस्तानी दमन चक्र शुरू हो गया है। इसमें पाकिस्तान रेंजर्स और फंटियर कोर को भी लगाया गया है। पीओके के सभी 10 जिलों में इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं। भाजपा की मोदी सरकार के मुख्य एजेंडे में पीओके को पाकिस्तान से मुक्त कराकर भारत में शामिल करना पहले से निश्चित है। पीओके का ताजा संघर्ष एवं आन्दोलन भाजपा की राह को निश्चित ही आसान करेंगी।

भारत के विभाजन के तुरंत बाद पाकिस्तान द्वारा जम्मू और कश्मीर की रियासत पर आक्रमण करने के बाद पीओके बनाया गया था। पाकिस्तानी सेना और आदिवासी हमलावरों के हमले के तहत, महाराजा हरिसिंह ने भारत से सैन्य मदद मांगी, जिसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को पूरी रियासत पर कब्जा करने से रोक दिया। अब, लगभग सात-आठ दशक से अधिक समय के बाद, जबकि पाकिस्तान भारी वित्तीय, राजनीतिक और मानवीय संकट में फंस गया है, जबकि भारत अपने आर्थिक, राजनैतिक और वैज्ञानिक मापदंडों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और अपनी सैन्य शक्ति को सशक्त कर रहा है। जम्मू-कश्मीर में विकास की गंगा बह रही है, वहां के लोग शांति, शिक्षा, व्यापार एवं विकास की दृष्टि से नये कीर्तिमान गढ़ रहे हैं जबकि पीओके कम मानव विकास के साथ आर्थिक प्रगति से वंचित जनजीवन से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। स्वयं को ठगा महसूस करते हुए पीओके की आम जनता अब शांति चाहती है, अमन चाहती है, विकास चाहती है, जोकि पाकिस्तान में रहते हुए असंभव है। दोगली नीतियों के चलते पीओके के प्राकृतिक संसाधनों का पाकिस्तान खुलकर दोहन करता रहा, जबकि वहां के लोग ईंधन, बिजली, शिक्षा, चिकित्सा और जरूरी बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझते रहे। पीओके के लोगों ने मई 2023 में बिजली की ऊंची दरों के खिलाफ आंदोलन शुरू किया था, जो एक साल बाद अब उग्र रूप ले चुका है। आंदोलन से काफी पहले पीओके के लोगों का भारत के प्रति झुकाव समय-समय पर मुखर होता रहा है। पाकिस्तान की राजनीति की दूषित हवाओं ने पीओके की चेतना एवं सोच को आन्दोलनकारी बना दिया है। सत्ता के गलियारों में स्वार्थों की धमाचौकड़ी देखकर वहां के लोग समझ गये कि उनका शोषण एवं उत्पीडन ही हो रहा है। यही कारण है कि पिछले साल पीओके और गिलगित के लोगों ने पाकिस्तान की भेदभाव वाली नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान अपने इलाकों को भारत के साथ मिलाने को ही अपने हित एवं शांतिपूर्ण जीवन के अनुरूप मानने लगे हैं। इसके लिये किये गये तब के प्रदर्शन के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वहां के लोग 'आर-पार जोड़ दो, करगिल को खोल दो' जैसे नारे लगाते नजर आए थे। वहीं, देश भर में गेहूं के आटे की कमी, बलूचिस्तान में उग्रवाद, अफगानिस्तान के साथ सीमा संघर्ष, पाकिस्तानी तालिबान द्वारा हमलों और एक गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के साथ, पीओके में लोगों ने काफी कड़वे अनुभव किये हैं। निर्वासित पीओके नेता, शौकत अली कश्मीरी भी पीओके में लोगों के सामने आने वाली कठिनाइयों को उजागर करने के लिए दिसंबर से विभिन्न देशों में बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में जिनेवा में समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि पाकिस्तान ने 1948 से प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है लेकिन बदले में पीओके में लोगों को बेरोजगारी और निर्वासन मिला। अधिकांश लोगों को चिकित्सा सुविधा नहीं होने के कारण बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। पीओके के लोग चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का भी विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि गलियारे की आड़ में उनकी जमीन का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए किया जाएगा और भारत के जवाबी हमले उन्हें झेलने पड़ेंगे। चूकि भारत अब पहले वाला भारत नहीं रहा, उसकी सैन्य ताकत का मुकाबला करना पाकिस्तान के लिये संभव नहीं रहा है, इसलिये बिना मतलब भारत के आक्रमण को झेलने से स्वयं को बचाने के लिये पीओके के लोग भारत में विलय को ही उचित मानते हैं। पीओके में विरोध प्रदर्शन के दौरान जिस तरह भारतीय तिरंगा लहराया जा रहा है और भारत में विलय के स्वर उठ रहे हैं, उससे भविष्य में इस विवादित क्षेत्र पर निर्णायक पटकथा लिखे जाने के आसार नजर आ रहे हैं। भारत को पीओके के घटनाक्रम पर नजर बनाए रखने की जरूरत है, ताकि इससे हमारे सुरक्षा हितों पर प्रतिकूल असर न पड़े एवं भविष्य की नीतियों का निर्धारण करने में सुविधा रहे।

स्वस्थ जीवनशैली उम्र में कर सकती है इजाफा

मुकुल व्यास

स्वस्थ जीवनशैली उम्र पर आनुवंशिकी के प्रभाव को 60 प्रतिशत से अधिक कम कर सकती है और आपके जीवन में पांच साल और जोड़ सकती है। यह बात अच्छी तरह से स्थापित है कि कुछ लोगों में आनुवंशिक कारणों से कम जीवनकाल की प्रवृत्ति होती है। यह भी सर्वविदित है कि जीवनशैली से जुड़ी कुछ बातें, विशेष रूप से धूम्रपान, शराब का सेवन, आहार और शारीरिक गतिविधि, दीर्घायु पर प्रभाव डाल सकती हैं। अभी तक यह समझने के लिए कोई जांच नहीं हुई थी कि एक स्वस्थ जीवनशैली आनुवंशिकी को किस हद तक संतुलित कर सकती है। लेकिन अब कई-कई दीर्घकालिक अध्ययनों के निष्कर्ष सामने आए हैं जिससे पता चलता है कि एक स्वस्थ जीवनशैली जीवन को छोटा करने वाले जीन के प्रभावों को 62 प्रतिशत तक कम कर सकती है और आपके जीवन में पांच साल तक बढ़ा सकती है। दरअसल, इन अध्ययनों के परिणाम बीएमजे एविडेंस-बेस्ड मेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह अध्ययन जीवनकाल पर आनुवंशिक कारकों के प्रभाव को कम करने में स्वस्थ जीवनशैली की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। उनका यह भी मानना है कि जीवनशैली में सुधार के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियां पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए पूरक के रूप में काम कर सकती हैं। मानव जीवन पर आनुवंशिक कारकों के प्रभाव को कम कर सकती हैं। एक अध्ययन में यूके बायोबैंक में 353,742 लोगों को शामिल किया गया। इस अध्ययन से पता चला कि उच्च आनुवंशिक जोखिम वाले लोगों में कम आनुवंशिक जोखिम वाले लोगों की तुलना में समय से पहले मृत्यु का खतरा 21 प्रतिशत अधिक होता है, भले ही उनकी जीवनशैली कुछ भी हो। इस बीच, चीन में झेजियांग यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन और एडिनबरा विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पाया कि अस्वास्थ्यकर जीवनशैली वाले लोगों में जल्दी मौत की संभावना 78 प्रतिशत बढ़ जाती है, भले ही आनुवंशिक जोखिम जो भी हो। अध्ययन में कहा गया है कि अस्वास्थ्यकर जीवनशैली और कम जीवनकाल के जीन वाले लोगों में भाग्यशाली जीनों और स्वस्थ जीवनशैली वाले लोगों की तुलना में समय पूर्व मौत का खतरा दोगुना हो जाता है। हालांकि, शोधकर्ताओं ने पाया कि कम उम्र या समय से पहले मौत के आनुवंशिक जोखिम को स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर लगभग 62 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। उनका कहना है कि उच्च आनुवंशिक जोखिम वाले लोग स्वस्थ जीवनशैली के साथ 40 वर्ष की आयु में लगभग 5.22 वर्ष की जीवन प्रत्याशा बढ़ा सकते हैं। लंबे जीवन के लिए आदर्श जीवनशैली में धूम्रपान न करना, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और स्वस्थ आहार शामिल हैं। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में औसतन 13 वर्षों तक लोगों का अनुसरण करने के बाद अपने निष्कर्ष निकाले हैं। विश्व कैंसर अनुसंधान कोष में स्वास्थ्य सूचना और प्रचार प्रबंधक मैट लैम्बर्ट ने कहा कि इस नए शोध से पता चलता है कि आनुवंशिक कारकों के बावजूद स्वस्थ जीवनशैली जीने से हमें लंबे समय तक जीने में मदद मिल सकती है।

एक अन्य अध्ययन से पता चलता है कि व्यायाम के कारण शरीर के भीतर होने वाली प्रतिक्रिया कहीं ज्यादा जटिल और दूरगामी होती है। अमेरिका के वैज्ञानिकों के नए अध्ययन में पता लगाया है कि शारीरिक गतिविधियों के कारण जानवरों के सभी 19 अंगों में कई तरह के कोशिकीय और आणविक परिवर्तन होते हैं। व्यायाम कई बीमारियों के खतरे को कम करता है, लेकिन वैज्ञानिक अभी भी पूरी तरह से समझ नहीं पाए हैं कि व्यायाम शरीर को आणविक स्तर पर कैसे बदलता है। अधिकांश पिछले अध्ययनों ने एक ही अंग या लिंग पर ध्यान केंद्रित किया और इनमें सिर्फ एक या दो तरह के डेटा शामिल किए किए। व्यायाम के जीव विज्ञान पर अधिक व्यापक नजर डालने के लिए अमेरिका के मॉलिक्यूलर ट्रांसड्यूसर ऑफ़ फिजिकल एक्टिविटी कंसोर्टियम के वैज्ञानिकों ने चूहों में शारीरिक गतिविधि से होने वाले आणविक परिवर्तनों का विश्लेषण करने के लिए प्रयोगशाला में तकनीकों की एक श्रृंखला का उपयोग किया। ये चूहे कई हफ्तों तक गहन व्यायाम के दौर से गुजरे थे। वैज्ञानिकों के दल ने जानवरों के हृदय, मस्तिष्क और फेफड़ों जैसे अंगों के ऊतकों की एक श्रृंखला का अध्ययन किया। उन्होंने देखा कि प्रत्येक अंग व्यायाम के साथ बदलाव देखा गया। इससे शरीर को प्रतिरक्षा प्रणाली को विनियमित करने और तनाव का जवाब देने में मदद मिली। वैज्ञानिकों ने यह भी पाया कि व्यायाम लीवर, हृदय रोग और ऊतक की चोट से जुड़े मार्गों को नियंत्रित करने में भी मददगार साबित हुआ। विज्ञानियों द्वारा एकत्र डेटा से मानव स्वास्थ्य की अलग-अलग स्थितियों के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं। उदाहरण के लिए, शोधकर्ताओं ने इस बात का संभावित स्पष्टीकरण पाया कि व्यायाम के दौरान लीवर कम फैटी क्यों हो जाता है। इससे अल्कोहल के सेवन के बगैर होने वाले फैटी लीवर रोग के लिए नए उपचार के विकास में मदद मिल सकती है। टीम को उम्मीद है कि उनके निष्कर्षों का उपयोग एक दिन किसी व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति के अनुरूप व्यायाम निर्धारित करने या व्यायाम करने में असमर्थ लोगों के लिए शारीरिक गतिविधि के प्रभावों के अनुसरण करने वाले उपचार विकसित करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने व्यायाम के आणविक प्रभावों को ट्रैक करने के लिए लोगों पर अध्ययन पहले ही शुरू कर दिया है। व्यायाम के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए अमेरिकी वैज्ञानिकों का कंसोर्टियम 2016 में स्थापित किया गया। इसमें एमआईटी, हार्वर्ड, स्टेनफर्ड यूनिवर्सिटी और नेशनल इंस्टिट्यूट्स ऑफ हैल्थ जैसे अनेक अग्रणी संस्थानों के वैज्ञानिक शामिल हैं। कुल मिलाकर विज्ञानियों ने रक्त और 18 ठोस ऊतकों पर लगभग 1.5 करोड़ माप लेने के लिए लगभग 10,000 परीक्षण किए। उन्होंने पाया कि व्यायाम ने हजारों अणुओं को प्रभावित किया। एड्रिनल ग्रंथि में सबसे चरम परिवर्तन देखे गए। ध्यान रहे कि एड्रिनल ग्रंथि कुछ खास हार्मोन का उत्पादन करती है जो प्रतिरक्षा, मेटाबोलिज्म (चयापचय) और ब्लड प्रेशर जैसी कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं को नियंत्रित करते हैं। शोधकर्ताओं ने कई अंगों में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया से संबंधित लिंग अंतर को भी उजागर किया। मादाओं के मामले में इम्यून रिस्पॉन्स का संकेत देने वाले अणुओं ने एक और दो सप्ताह के प्रशिक्षण के बीच स्तर में परिवर्तन दिखाया जबकि नर में चार और आठ सप्ताह के बीच अंतर देखा गया।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

विचार मंथन

भारत और ईरान के बीच हुए बंदरगाह समझौता के, अंतर्राष्ट्रीय समीकरण

(लेखक-सनत जैन)

और ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह एक समझौता हुआ है। इस समझौते ार ईरान ने 10 साल के लिए संचालन का अधिकार भारत को दे इस बंदरगाह का संचालन अब बिना क-टोक के भारत कर पाएगा। ईरान भारत रोड और रेलवे के लिए भी रहा है। इस समझौते के बाद भारत परिवहन के क्षेत्र में, अफगानिस्तान, ाड़ी के देशों तथा रूस के बीच में पर्क हो जाएगा। भारत को अब के करांची और ग्वादर बंदरगाह पर संचालन कर रहा है। ईरान सरकार और भारत सरकार के बीच में जो समझौता हुआ है, उसके मुताबिक अगले 10 वर्ष तक भारत सरकार की कंपनी इंडियन पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड इस बंदरगाह के समस्त कार्यों और संचालन के लिए अधिकृत हो गई है। इस बंदरगाह के समझौते के बाद भारत सरकार 37 करोड़ डॉलर का निवेश ईरान में करेगी। ईरान के ऊपर अमेरिकी प्रतिबंध लगने के बाद, ईरान अलग-थलग पड़ गया है। भारत सरकार के साथ यह समझौता कई वर्षों से लंबित था। इस समझौते का असर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होना तय माना जा रहा भारत सरकार के साथ चीन की दूरियां बढ़ सकती हैं। भारत और रूस का व्यापार तेजी के साथ बढ़ सकता है। इस समझौते का असर भारत और अमेरिका के बीच में पड़ना तय माना जा रहा है। अमेरिका नहीं चाहता था, कि भारत सरकार, ईरान के साथ इस तरह का कोई समझौता करे। इसका असर भारत और इजरायल के संबंधों पर भी पड़ना तय माना जा रहा है। भारत सरकार ने ईरान के साथ जो समझौता बंदरगाह के लिए किया है, वह भारत के लिए बहुत जरूरी था। इस समझौते के बाद खाड़ी के देशों और रूस के साथ भारत का कारोबार बढ़ेगा। कच्चे तेल और गैस के पर उत्तर और दक्षिण के बीच एक नया परिवहन गलियारा शुरू हो जाएगा। इस नए गलियारे के बनने के बाद चीन और पाकिस्तान को आर्थिक नुकसान होगा। वहीं भारत और ईरान के कारोबार में वृद्धि होगी।

इस समझौते के बाद चीन के साथ भारत की दूरियां बढ़ना तय माना जा रहा है। चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट की इसे काट माना जा रहा है। इस समझौते के बाद ईरान और भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और परिवहन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका में आ जाएंगे। ईरान में सड़क निर्माण और रेल निर्माण के क्षेत्र में भारत की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। भारत समझौता हुआ है, उसमें भारत के पास ज्यादा अधिकार होंगे। समझौते के अनुसार अब 10 साल के लिए भारत के पास चाबहार बंदरगाह का संचालन होगा, 10 साल बाद नवीनीकरण भी होगा। रूस के साथ अभी जो आयात निर्यात भारत का हो रहा था, उसके लिए करांची बंदरगाह पर भारत और रूस को निर्भर रहना पड़ता था। अमेरिकी

प्रतिबंधों के कारण इसका असर मुक्त व्यापार और परिवहन के क्षेत्र में पड़ रहा था। भारत के भी कहीं ना कहीं भारत के प्रति हो सकती है। इसके लिए भारत सरकार को सतर्कता बरतनी

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टीवीएस मोटर ने टीवीएस आईक्यूब खंड का विस्तार किया

चेन्नई । दोपहिया और तिपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी टीवीएस मोटर ने अपने उत्पाद खंड का विस्तार करते हुए अपने लोकप्रिय इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस आईक्यूब की एक नई श्रृंखला पेश की है। कंपनी के अनुसार नई श्रृंखला पेश होने के साथ ही टीवीएस आईक्यूब खंड में उत्पाद अब 94,999 रुपये एक्स-शोरूम कीमत की शुरुआती कीमत पर मौजूद हैं। कंपनी ग्राहकों को टीवीएस आईक्यूब एसटी उपलब्ध कराने के लिए तैयार है।टीवीएस आईक्यूब अब तीन बैटरी विकल्पों 2.2 किलोवॉट, 3.4 किलोवॉट और 5.1 किलोवॉट में उपलब्ध है। कंपनी के ईवी व्यवसाय के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी उद्योग में नवाचार तथा स्थिरता लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स का चौथी तिमाही में मुनाफा 247.88 करोड़

चेन्नई । ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में मुनाफा 247.88 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 250.71 करोड़ रुपये था। समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का मुनाफा बढ़कर 734.51 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2022-23 में यह 665.20 करोड़ रुपये था। कंपनी मुरुगप्पा समूह का हिस्सा है। बयान के अनुसार कंपनी के निदेशक मंडल ने फरवरी 2024 में दो रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा की और इसका मार्च 2024 में शेयरधारकों को भुगतान किया गया। निदेशक मंडल ने अब वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 1.5 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है।

देश में यात्री वाहन की बिक्री अप्रैल में बढ़ी: सियाम

नई दिल्ली । भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री अप्रैल में सालाना आधार पर 1.3 प्रतिशत बढ़कर 3,35,629 इकाई हो गई। उद्योग संगठन सियाम ने यह जानकारी दी। अप्रैल 2023 में यह 3,31,278 इकाई थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले महीने दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 31 प्रतिशत बढ़कर 17,51,393 इकाई हो गई, जबकि अप्रैल 2023 में यह 13,38,588 इकाई थी। आंकड़ों के अनुसार तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री पिछले महीने 14.5 प्रतिशत बढ़कर 49,116 इकाई हो गई, जबकि अप्रैल 2023 में यह 42,885 इकाई थी।

इंफोसिस पर 82 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली । कनाडा सरकार ने कर्मचारी स्वास्थ्य कर मद में कथित कम भुगतान के लिए सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस पर 1.34 लाख कनाडाई डॉलर (लगभग 82 लाख रुपये) से अधिक का जुर्माना लगाया है। कंपनी पर यह जुर्माना वर्ष 2020 के लिए लगाया गया है। इन्फोसिस को इस बारे में हाल ही में कनाडा के वित्त मंत्रालय से एक आदेश मिला। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि 31 दिसंबर, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए कर्मचारी स्वास्थ्य कर के कथित कम भुगतान पर जुर्माना लगाया गया है। सूचना के अनुसार कंपनी पर 1,34,822.38 कनाडाई डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। इससे कंपनी की वित्तीय, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

एशियाई मुद्राओं के साथ रुपया भी लुढ़का

मुंबई ।

एशियाई मुद्राओं में गिरावट के रुख की वजह से सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद सोमवार को रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर के लगभग बंद हुआ। डॉलर के मुकाबले रुपया 83.53 पर बंद हुआ, जबकि शुक्रवार को यह 83.50 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपया इस साल 16 अप्रैल को 83.54 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। दिन के दौरान 83.50 से 83.54 रुपये प्रति डॉलर के बीच कारोबार हुआ। अमेरिका के महंगाई के आंकड़े बुधवार को जारी होने हैं, उसके पहले एशिया की प्रमुख मुद्राओं में कारोबारी घंटों के दौरान 0.1 प्रतिशत से 0.7 प्रतिशत के बीच गिरावट आई है। अमेरिका के महंगाई दर के आंकड़े आने के बाद बाजार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दर में कटौती किए जाने की उम्मीद है। बाजार के कुछ हिस्सेदारों का कहना है कि केंद्रीय बैंक ने आने वाले चुनाव परिणाम के पहले घरेलू इक्विटी से धन निकासी के दबाव के बीच रुपये को एक निश्चित दायरे में बनाए रखा है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि रिजर्व बैंक हर दिन बाजार में है। हम चुनाव परिणाम तक किसी उतार चढ़ाव की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। इस माह के दौरान रुपये का कारोबार 83.30 से 83.70 रुपये प्रति डॉलर के बीच बना रह सकता है। कुछ निवेशकों ने आम चुनाव की अनिश्चितताओं के कारण सावधानी बरतते हुए अलग बने रहने का विकल्प चुना है। कम मतदान की वजह से चिंता हो रही है और कयास लगाए जा रहे हैं कि

संभवतः सत्तासीन दल को स्पष्ट जनादेश न मिल पाए। एक सरकारी बैंक के डीलर ने कहा कि चालू महीने में रुपया एक निश्चित सीमा के भीतर बना रहेगा। 83.50 रुपये प्रति डॉलर पर जाने के बाद अगला प्रतिरोध 83.65 रुपये प्रति डॉलर का होगा। बाजार के हिस्सेदारों का कहना है कि भूराजनीतिक स्थिति में स्थिरता आने पर अमेरिका में दर दय करने वाले पैनल द्वारा सितंबर में दर में कटौती की उम्मीद है, जिससे रुपये को मदद मिल सकती है।

डीएलएफ की बिक्री बुकिंग दो प्रतिशत घटकर 14,778 करोड़ हुई

नई दिल्ली । भारत की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ की बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर दो प्रतिशत घटकर 14,778 करोड़ रुपये रह गई। इसकी मुख्य वजह जनवरी-मार्च तिमाही में नरमी रही, जिसमें मजबूत आवास मांग के बावजूद कोई बड़ी परियोजना पेश नहीं की गई। वित्त वर्ष 2023-24 में बिक्री बुकिंग 15,058 करोड़ रुपये थी। निवेशकों की प्रस्तुति के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी जनवरी-मार्च तिमाही में डीएलएफ की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर घटकर 1,462 करोड़ रुपये रह गई। वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में यह 8,458 करोड़ रुपये थी। डीएलएफ ने वित्त वर्ष 2024-25 में मुख्य रूप से गुरुग्राम, मुंबई, गोवा और चंडीगढ़ ट्राई-सिटी में 1.16 करोड़ वर्ग फुट के नए उत्पाद पेश करने की योजना बनाई है। इनकी अनुमानित बिक्री क्षमता करीब 36,000 करोड़ रुपये है, जिनमें 33,000 करोड़ रुपये से अधिक लक्जरी हाउसिंग खंड की है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी ने 9,870 करोड़ रुपये के मूल्य का 59 लाख वर्ग फुट क्षेत्र पेश किया था।

आयशर मोटर्स को 1,070.45 करोड़ का मुनाफा

- पिछले वित्त वर्ष की तिमाही में हुए 905.58 करोड़ के मुनाफे से 18.2 फीसदी अधिक

नई दिल्ली । रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल की मूल कंपनी आयशर मोटर्स ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 1,070.45 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की तिमाही में हुए 905.58 करोड़ रुपये के मुनाफे से 18.2 फीसदी अधिक है। इस दौरान परिचालन से कंपनी का कुल राजस्व साल-दर-साल आधार पर 11.87 फीसदी बढ़कर 3,804.32 करोड़ रुपये से 4,256.04 करोड़ रुपये हो गया। परिचालन स्तर पर, आयशर मोटर्स ने मार्च तिमाही में ब्याज कर मूल्यह्रास और परिशोधन (ईबीआईटीडीए) से पहले की कमाई 20.88 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,129 करोड़ रुपये दर्ज की, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही में यह 934 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान रॉयल एनफील्ड ने 2,27,925 मोटरसाइकिलों की बिक्री दर्ज की, जो वित्त वर्ष 2023 में इसी अवधि के दौरान बेची गई 2,14,685 मोटरसाइकिलों से 6.17 प्रतिशत अधिक है। वहीं पूरे वित्त वर्ष 2024 के दौरान, रॉयल एनफील्ड ने 9,12,732 (स्टैंडअलोन) यूनिट्स मोटरसाइकिल की बिक्री दर्ज की, जो वित्त वर्ष 2023 में 8,34,895 (स्टैंडअलोन) से 9 फीसदी अधिक है। वोल्वो और आयशर मोटर्स के जॉइंट वेंचर वीई कमर्शियल व्हीकल्स में भी मुनाफे में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस जॉइंट वेंचर ने वित्त वर्ष 2024 में 823 रुपये का मुनाफा दर्ज किया है जो पिछले वित्त वर्ष के 579 करोड़ के मुनाफे से 42.06 प्रे तिशत अधिक है। आयशर मोटर्स ने मुनाफे के एवज में डिविडेंड का भी ऐलान कर दिया गया है। कंपनी शेयरधारकों को प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 51 रुपये का डिविडेंड देगी. 31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में इसकी फेस वैल्यू 1 रुपये थी। कंपनी शरहोल्डर्स को कुल 1,396.41 करोड़ रुपये का डिविडेंड जारी करेगी।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिना बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान निजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर ऊपर आने के भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.45 फीसदी करीब 328.48 अंक बढ़कर 73,104.61 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.51 फीसदी तकरीबन 113.80 अंक ऊपर आकर 22,217.85 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 36 के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 14 के शेयर नीचे आये। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारतीय स्टेट बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और मारुति के शेयर लाभ में रहे जबकि नेस्ले, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और एशियन पेंट्स के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। अप्रैल में महंगाई आंकड़ा नीचे आने से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। वहीं दूसरी ओर एशियाई बाजारों में सियोल और टोक्यो के बाजार ऊपर आये जबकि शंघाई और हांगकांग निचले स्तर पर बंद हुए।

इसके अलावा यूरोपीय बाजाजों में मिलाजुला कारोबार हुआ। वॉल स्ट्रीट में गत दिवस मिलजुल कारोबार हुआ। डाउ जोन्स 0.21 फीसदी गिर गया, जबकि एसएंडपी 500 इंच 0.02 फीसदी कम हो गया। हालांकि, नैस्डैक कंपोजिट में 0.29 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ खुले। बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में कारोबार करते दिख रहे हैं।

शुरुआती कारोबार में एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 199 अंक बढ़कर 72,975 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 71 अंक ऊपर 22,175 पर कारोबार करते दिखा

थोक महंगाई दर अप्रैल में 13 महीने के उच्चतम स्तर 1.26 प्रतिशत पर

- मार्च के महीने में थोक महंगाई दर 0.53 प्रतिशत थी

नई दिल्ली ।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की वजह से थोक महंगाई दर अप्रैल महीने में सालाना आधार पर 13 महीने के उच्चतम स्तर 1.26 प्रतिशत पर पहुंच गई। मार्च में यह 0.53 प्रतिशत थी। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार यह जानकारी दी। जानकारों ने थोक महंगाई दर 1 प्रतिशत पर रहने का अनुमान जताया था। अप्रैल महीने में प्याज की कीमतों की वृद्धि दर 59.75 प्रतिशत रही जो मार्च महीने में 56.99 प्रतिशत थी। वहीं आलू के मामले में कीमतों की वृद्धि दर 71.97 प्रतिशत रही, मार्च महीनें में यह 52.96 प्रतिशत थी। एक साल पहले से तुलना करें तो उस दौरान प्याज की कीमतों में 5.54 प्रतिशत की नरमी आई थी, वहीं आलू की कीमतों में 30.56 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। खाद्य पदार्थों की थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 5.52 प्रतिशत बढ़ी, मार्च महीने में यह 4.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। मासिक आधार पर मार्च महीने के 0.95 प्रतिशत की तुलना में इसमें 1.94 प्रतिशत का इजाफा हुआ। सरकार के अनुसार अप्रैल महीने में थोक महंगाई दर में इजाफा मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, बिजली, क्रूड पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस, उत्पादित खाद्य पदार्थों और अन्य उत्पादित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण है। अप्रैल 2024 में क्रूड पेटोलियम की थोक महंगाई दर पिछले साल के 1.64 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 4.97 प्रतिशत पर पहुंच गईं। प्राथमिक वस्तुओं की थोक महंगाई दर अप्रैल महीने में बढ़कर 5.01 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीनें में 4.51 प्रतिशत थी। प्राथमिक वस्तुओं के अंतर्गत खाद्य पदार्थों, सब्जियों और खनिजों की कीमतें आती हैं। विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में 0.42 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि पिछले महीने में इसमें 0.85 प्रतिशत की गिरावट आई थी। ईंधन और बिजली की कीमतों में मार्च में 0.77 प्रतिशत की गिरावट के मुकाबले 1.38 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे पहले सांख्यिकी मंत्रालय ने सोमवार को खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी जारी किए, जिसके अनुसार खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर 11 महीने के निचले स्तर 4.83 प्रतिशत पर आ आ गई, जबकि पिछले महीने में यह 4.85 प्रतिशत थी।

सोना-चांदी खरीदना हुआ और महंगा

- सोने का वायदा भाव 72 हजार, चांदी 85,300 हजार रुपए

नई दिल्ली ।

सोमवार को गिरावट के बाद मंगलवार को सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। मंगलवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 85,300 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। लेकिन बाद में इनके भाव में सुधार देखा जाने लगा। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 81 रुपये की तेजी के साथ 71,936 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 182 रुपये की तेजी के साथ 85,068 रुपये पर खुला। इस समय यह 414 रुपये की तेजी के साथ 85,300 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,342.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,343 डॉलर था। जो इस समय 4.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,347.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.42 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.44 डॉलर था। इस समय यह 0.13 डॉलर की तेजी के साथ 28.57 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

छह साल में 24 करोड़ घरों को ब्रॉडबैंड से जोड़ने 4.2 लाख करोड़ चाहिए: उद्योग विशेषज्ञ

- भारत में फिलहाल चार करोड़ घर ही ब्रॉडबैंड से जुड़े हुए हैं

नई दिल्ली । देश को वर्ष 2030 तक देश के 24 करोड़ घरों को ब्रॉडबैंड सेवाओं से जोड़ने के लिए 4.2 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत पड़ेगी। एक उद्योग विशेषज्ञ ने यह अनुमान जताया है। ईवाई ग्लोबल के दूरसंचार क्षेत्र प्रमुख एवं भागीदार प्रशांत सिंघल ने ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम (बीआईएफ) के सम्मेलन में कहा कि भारत में फिलहाल चार करोड़ घर ही ब्रॉडबैंड से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में 24 करोड़ घरों को तीव्र रफ्तार वाली ब्रॉडबैंड सेवा से जोड़ने के लिए भारत को सभी तरह के डिजिटल संपर्क बुनियादी ढांचे पर 4.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की जरूरत होगी। सिंघल ने इसका ब्योरा देते हुए कहा कि फाइबर बिछाने पर 2.7-3 लाख करोड़ रुपये, बुनियादी ढांचे पर 90,000-96,000 करोड़ रुपये, वाईफाई और इन-बिल्डिंग समाधान पर 6,600-9,000 करोड़ रुपये, डेटा सेंटर पर 9,700-14,100 करोड़ रुपये और उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाओं पर 26,000-29,000 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। सार्वभौमिक सेवा दायित्व निधि (यूएसओएफ) के अलावा सरकार जरूरी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए सीएसआर (कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व) कोषके उपयोग की अनुमति दे सकती है। इसका उपयोग डिजिटल शैक्षिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी किया जा सकता है। अमेरिका में घरों तक ब्रॉडबैंड की पहुंच 92 प्रतिशत, चीन में 97 प्रतिशत, जापान में 84 प्रतिशत और जर्मनी में 82 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि देश में शहरी ब्रॉडबैंड की पहुंच 3.6 करोड़ घरों तक है जबकि ग्रामीण इलाकों में लगभग 30 लाख कनेक्शन हैं। इन्हें वर्ष 2030 तक क्रमशः 10 करोड़ और 15.3 करोड़ घरों तक पहुंचाने की जरूरत है।

बीआईएफ के अध्यक्ष टीवी रामचंद्रन ने कहा कि देश में फिक्स्ड ब्रॉडबैंड का मौजूदा ढांचा डेटा की बढ़ती खपत के साथ तालमेल नहीं बिठा सकता है। उन्होंने कहा कि हमें अगले छह साल में फिक्स्ड ब्रॉडबैंड कनेक्शन में 20 प्रतिशत की न्यूनतम वार्षिक वृद्धि दर हासिल करनी होगी।

अप्रेल में भारतीय कंपनियों ने 9.4 अरब डॉलर के सौदे किए

- मार्च के मुकाबले संख्या के आधार पर 21 प्रतिशत अधिक सौदे हुए

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनियों ने अप्रैल में कई अधिग्रहण सौदे किए जिनमें अदाणी समूह के तीन बड़े सौदे शामिल हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इन सौदों का कुल मूल्य दो अरब डॉलर था जो देश के कुल सौदों का 38 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार घरेलू कंपनियों ने पिछले महीने 191 सौदे किये जिनकी कुल कीमत 9.4 अरब डॉलर थी। यह मार्च के मुकाबले संख्या के आधार पर 21 प्रतिशत और मूल्य के आधार पर 37 प्रतिशत अधिक है। इनमें 10 करोड़ डॉलर से अधिक के 12 उच्च मूल्य वाले सौदे शामिल हैं जिनका कुल मूल्य 3.8 अरब डॉलर है।` रिपोर्ट में कहा गया है कि सौदों को लेकर परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है। टेक्नोलॉजी, उपभोक्ता और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टरों के फलते-फूलते इकोसिस्टम से बढ़ावा और आगे की सोच रखने वाली सरकारी नीतियों से समर्थन के दम पर यह व्यापक प्रगति का वाहक बनेगा। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने 3.080 करोड़ रुपये में गोपालपुर पोर्ट लिमिटेड (जीपीएल) में एसपी समूह की 56 प्रतिशत और उड़ीसा स्टीवेडर्स लिमिटेड की 39 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की। रिपोर्ट में कहा गया है, अदाणी पोर्ट्स द्वारा गोपालपुर पोर्ट्स लिमिटेड के अधिग्रहण से परिवहन तथा लॉजिस्टिक्स सेक्टरों को काफी बढ़ावा मिला है। इससे इसकी लॉजिस्टिक क्षमता बढ़ी है जो देश की बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मांग का समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण है। अदाणी समूह की निर्माण सामग्री बनाने वाली कंपनी अंबुजा सीमेंट ने माई होम समूह के तमिलनाडु के तूतीकोरीन स्थित 15 लाख टन प्रति वर्ष क्षमता वीली सीमेंट ग्राइंडिंग इकाई का 413.75 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया।

देश में स्थिर बने हुए हैं पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली । देश में हर दिन सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल के भाव अपडेट किए जाते हैं। भारतीय तेल मार्केटिंग कंपनियां वैश्विक बाजार में मौजूद कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर देश में ईंधन की कीमतें तय करती हैं। तेल कंपनियों ने 14 मई मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत नहीं बदली है। मेट्रो शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें इस प्रकार हैं- राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.76 रुपये और डीजल की कीमत 87.66 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.13 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.93 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.74 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.32 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। बेंगलुरु में पेट्रोल 99.82 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.92 रुपये प्रति लीटर है। वहीं अन्य शहरों नोएडा में पेट्रोल 94.81 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर और लखनऊ में पेट्रोल 94.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर है।

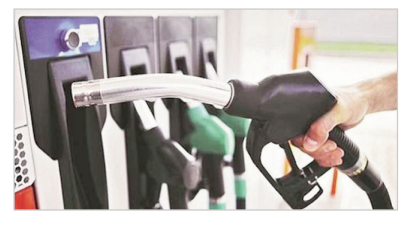

जोमेटो को मार्च तिमाही में 175 करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी फर्म जोमैटो लिमिटेड ने अपनी मार्च तिमाही के नतीजों के ऐलान कर दिया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 175 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है। बता दें कि राजस्व में बढ़ोतरी की वजह से कंपनी को मुनाफा हुआ है। ज़ोमैटो ने कहा कि कंपनी को पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 188 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। फाईलिंग के अनुसार मार्च तिमाही में ज़ोमैटो का ऑपरेशंस से राजस्व सालाना आधार पर उछाल के साथ 3,562 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की अवधि में यह 2,056 करोड़ रुपए था। इस दौरान जोमैटो का कुल खर्च भी बढ़कर 3,636 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में अपना कुल खर्च 2,431 करोड़ रुपए बताया था। फाईलिंग में कंपनी ने बताया कि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में मुनाफा 351 करोड़ रुपए रहा जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 971 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में जोमाटो का ऑपरेशंस से रेवेन्यू 12,114 करोड़ रुपए हो गया। एक इससे पिछले वित्त वर्ष में 7,079 करोड़ रुपए था। इस बीच जोमैटो का शेयर आज अपने नतीजों के उलट 2.31 प्रतिशत या 4.65 रुपए की गिरावट लेकर 196.65 रुपए प्रति शेयर पर बंद हुआ।

पंजाब किंग्स को हराकर प्ले ऑफ में जगह बनाने उतरेगी राजस्थान रॉयल्स

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम बुधवार को यहां पंजाब किंग्स को आईपीएल लीग मुकाबले में हराकर प्ले ऑफ के लिए अपनी जगह पक्की करना चाहेगी। राजस्थान ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है और वह अभी 16 अंकों के साथ ही अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छी लय में है जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार है। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स की टीम पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। उसके बल्लेबाजों ओर गेंदबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है जिससे टीम को इस सत्र में मुश्किल हालातों का सामना करना पड़ा है।

पंजाब किंग्स के लिए इस सत्र में शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा ने ही अच्छा प्रदर्शन किया है पर अन्य खिलाड़ी रन नहीं बना पाये हैं जिससे टीम को बड़ी सफलता नहीं मिल पायी। शुरुआत में ही चोटिल होने के कारण कप्तान शिखर धवन बाहर हो गये जिसके बाद से ही सैम कुरेन टीम की कप्तानी संभाल रहे हैं। वहीं राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन के साथ ही कप्तानी भी की है। सैमसन ने अब तक अपनी टीम की ओर से सबसे अधिक 486 रन बनाये हैं। इस मैच में राजस्थान टीम के युवा रियान पराग अपने घरेलू मैदान पर बेहतर प्रदर्शन कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाना चाहेंगे। पराग के लिए ये सत्र काफी अच्छा रहा है। इस बल्लेबाज ने अब तक 153 के स्ट्राइक रेट से 483 रन बनाये हैं।

वहीं टीम के एक अन्य बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 344 रन और जोस बटलर ने 359 रन बनाये हैं। रॉयल्स की गेंदबाजी काफी अच्छी है। उसके गेंदबाजों ने पूरे सत्र के साथ ही डेथे ओवरों में भी प्रभावी प्रदर्शन किया है। तेज गेंदबाजों संदीप शर्मा का 8.07 का इकोनॉकी रेट रहा है जबकि ट्रेंट बोल्ट का 8.38 का रहा है। इसके अलावा स्पिनर आर अश्विन और युजवेंद्र चहल ने भी विरोधी टीमों पर अंकश लगाये रखा है। ऐसे में पंजाब के लिए इस मैच में जीत दर्ज करना बेहद कठिन है। ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन के इंग्लैंड लौटने से भी

टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी प्रभावित होगी। टीम की ओर से अब तक गेंदबाजी में केवल हर्षल पटेल और अर्शदीप सिंह ही प्रभावी रहे हैं। बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम में केवल जॉनी बेयरस्टो ही रन बना पाये हैं। प्रभसिमरन सिंह के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं।

टीम

पंजाब किंग्स- सैम कुरेन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, अथर्व ताइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, कागिसो रबादा , हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयु।

राजस्थान रॉयल्स- संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, अवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नांद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पावेल, टॉम कोहलर-केडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुश कोटियन।

एलएसजी के मालिक संजीव गोयंका और केएल राहुल के बीच हुई सुलह! मुस्कुराते हुए लगाया एक-दूजे को गले

मुम्बई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के खेमे में सबकुछ पटरी पर लौटता नजर आ रहा है। हाल ही में फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयंका और कप्तान केएल राहुल के बीच सब कुछ तकरीबन शांत हो चुका है। सोशल मीडिया पर गोयनका और केएल राहुल के बीच सब कुछ तकरीबन शांत हो चुका है। सोशल मीडिया पर संजीव गोयनका और केएल राहुल के गले मिलने की तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें दोनों खुशी से मिलते दिख रहे हैं।

स्ना के खिलाफ 10 विकेट से शर्मनाक हार के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका भरे मैदान में केएल राहुल पर भड़कते दिखे थे। हालांकि, दोनों के बीच क्या बातचीत हुई थी वो वीडियो में सुनाई नहीं दिया था। इसके बाद से ही संजीव गोयनका को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। फैंस ने उन्हें निशाने पर ले लिया था।

वहीं अब रिपोर्ट के अनुसार केएल राहुल सोमवार रात संजीव गोयनका के दिल्ली स्थित आवास पर डिनर करने पहुंचे थे। इस दौरान दोनों के गले लगने की तस्वीरें सामने आई थीं, जिसमें केएल राहुल भी मुस्कुराते दिख रहे हैं। संजीव गोयनका और केएल राहुल विवाद के बाद लगातार अटकलें लगाई जा रही थी कि केएल राहुल लखनऊ सुपर जायंट्स छोड़ सकते हैं। जिन पर अब विराम लगता दिख रहा है।

सुदर्शन ने कहा विराट , धोनी की सलाह से लाभ हुआ

मुम्बई (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस की ओर से इस आईपीएल सत्र में बल्लेबाज साई सुदर्शन ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहली बार 500 से ज्यादा रन बनाये हैं। सुदर्शन ने इस सत्र में टाइटंस के लिए शीर्ष क्रम में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बल्लेबाज ने 141.28 के स्ट्राइक रेट से 12 मैच में 527 रन बनाये। इस प्रकार वह सबसे अधिक रन बनाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल हो गये है। उन्होंने इस बार टी20 प्रारूप में शतक भी लगाया है। सुदर्शन ने यह भी कहा कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के साथ बातचीत से भी लाभ हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले मैच के बाद मेरी विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी से बात हुई थी। इन दिग्गजों की सलाह से भी उन्हें लाभ हुआ। इसके अलावा उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे में मिले अनुभवों से भी लाभ हुआ। सुदर्शन और शुभमन गिल ने पहले विकेट के लिए संयुक्त रूप से सर्वाधिक 210 रन की साझेदारी की। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को टाइटंस ने 2022 सत्र में टीम के लिए पदार्पण से पहले 20 लाख रुपए के आधार मूल्य पर खरीदा था। वहीं सुदर्शन ने कहा कि मेरी बल्लेबाजी में गत सत्र की तुलना में अधिक बदलाव नहीं आया है पर निर्णय लेने की क्षमता है। खेल के प्रति जागरूकता या समझ में सुधार हुआ है। इससे मुझे प्रदर्शन में निरंतरता में थोड़ी सहायता मिल रही है। आजकल टी20 क्रिकेट में पावर हिटिंग काफी अहम है पर सुदर्शन अपनी टाइमिंग पर ही अधिक भरोसा करते हैं। पिछले साल की तुलना में वह विश्व स्तरीय गेंदबाजों के खिलाफ अपने को बेहतर स्थिति में रखने में सफल रहे हैं।

क्या आईपीएल 2024 ही देगा टीम इंडिया का अगला कोच, इन 3 दिग्गजों में हैं जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ अगर पद के लिए दोबारा आवेदन नहीं करते हैं तो राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख और भारत के पूर्व महान बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण इस पद पर उनकी जगह लेने के लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प हो सकते हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने टेस्ट और सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए अलग अलग कोच रखने की संभावना से इनकार कर दिया है लिहाजा एक ही कोच की तलाश होगी। द्रविड़ का करार टी20 विश्व कप के बाद खत्म हो जाएगा लेकिन उनके पास दोबारा आवेदन करने का अधिकार होगा। बीसीसीआई ने 27 मई तक आवेदन मांग हैं जबकि 26 मई को आईपीएल फाइनल है । इससे लगता है कि बोर्ड नए कोच की तलाश में है। नए कोच के लिए कुछ विकल्प इस प्रकार हो सकते हैं।

एनसीए के प्रमुख हैं वीवीएस लक्ष्मण

अगर वह आवेदन करते हैं तो वह सर्वश्रेष्ठ विकल्प होंगे। 49 वर्ष के लक्ष्मण तीन साल से एनसीए के प्रमुख हैं और भारतीय क्रिकेटरों की अगली नस्ल को बखूबी जानते हैं। द्रविड़ के अवकाश पर होने पर उन्होंने सीनियर टीम की कोचिंग भी की है। उनके कोच रहते भारत ने एशियाई खेल, आस्ट्रेलिया के खिलाफ द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला और इंग्लैंड, न्यूजीलैंड तथा आयरलैंड में श्रृंखलाएं खेली है।

कोलकाता से गौतम गंभीर पर नजरें

पिछले 10 साल में शीर्ष स्तर पर क्रिकेट खेल चुके गंभीर को हर प्रारूप की समझ है। उनके तकनीकी कौशल को नकारा नहीं जा सकता है। केकेआर के कप्तान के तौर पर 2 आईपीएल खिताब के अलावा लखनऊ सुपर जाइंट्स को पहले दोनों साल में प्लेआफ तक ले जाने का श्रेय उन्हें हासिल है। उनके कोच रहते केकेआर ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार वापसी की है और तालिका में शीर्ष पर है। अब देखना यह है कि उनके जैसा स्वाभिमानी व्यक्ति स्वयं इस पद के लिए आवेदन करता है या नहीं। वैसे केकेआर और उसके मालिक शाहरूख खान से उनका भावनात्मक लगाव उन्हें ऐसा करने से रोक भी सकता है। इसके अलावा विराट कोहली का अगले 3 साल तक तो खेलना तय लग रहा है और ऐसे में उनके आपसी रिश्ते जगजाहिर हैं तो यह कठिन सफर हो सकता है। वैसे गंभीर और मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा की अच्छी पटती है।

जस्टिन लैंगर लखनऊ के कोच हैं

एशेज और टी20 विश्व कप विजेता आस्ट्रेलियाई कोच लैंगर अच्छे रणनीतिकार और अनुशासन के मामले में सख्त हैं। उन्होंने हाल ही में कहा कि वह भारत का कोच बनने की संभावना पर विचार कर सकते हैं लेकिन यह मानसिक और शारीरिक रूप से काफी दबाव वाला काम है। आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मुख्य कोच हैं जस्टिन लैंगर। ऐसे में भारतीय पिचों की उन्हें अच्छी नॉलेज भी है। इसी के साथ भारतीय प्लेयरों से अच्छे रिश्ते होने का उन्हें कोचिंग में भी फायदा मिल सकता है।

बंगलादेश की ने टी20 विश्व कप टीम की घोषणा की, शाकिब सहित इन प्लेयर्स को मिली जगह

ढाका - बंगलादेश ने अगले महीने अमेरिका और वेस्टइंडीज की सह मेजबानी में होने वाले टी-20 विश्व कप 2024 के लिए 15 सदस्यीय टीम में चोटिल तस्कीन अहमद को बतौर उप कप्तान शामिल किया है। टीम की अगुवाई नजमुल हुसैन शान्तो करेंगे। वर्ष 2007 के बाद टी20 विश्व कप के हर संस्करण में खेलने वाले शाकिब अल हसन को भी टीम में शामिल किया गया हैं। इस वर्ष सफेद गेंद क्रिकेट में खराब फॉर्म के बावजूद लिटन दास को भी टीम में जगह मिली है। तास्किन को 12 मई को जिम्बाब्वे के खिलाफ पांचवें टी-20 मुकाबले से पहले चोट लग गई थी जिसके कारण वह मैच नहीं खेल पाए थे। चार मैचों में आठ विकेट लेने के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उनका अगले महीने शुरु होने वाले टूर्नामेंट से पहले फिट होने के लिए उपचार किया जा रहा है। बंगलादेश टूर्नामेंट का अपना पहला मुकाबला आठ जून को डलास में श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा।

बंगलादेश टीम - नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद (उपकप्तान), लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमुदुल्लाह, जेकर अली, तनवीर इस्लाम, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम और तंजीम हसन।

केकेआर की सफलता में युवा तेज गेंदबाज हर्षित की रही है अहम भूमिका

कोलकाता । आईपीएल में इस बार केकेआर की सफलता में युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा की अहम भूमिका रही है। राणा ने इस सत्र में अबतक 10 मैच में 20.75 की औसत से 16 विकेट लिए हैं। इस प्रकार वह आईपीएल की खोज साबित हुए हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ जिस प्रकार इस गेंदबाजा ने अंतिम ओवर फेंका उससे इसका आत्मविश्वास झलकता है।

इस काम को उन्होंने बिना किसी दबाव के पूरा किया। अंतिम ओवर में मुम्बई को 22 रन बनाने थे और ऐसे में राणा ने पहली ही गेंद पर बल्लेबाजी कर रहे नमन धीर को पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद तीसरी गेंद पर तिलक वर्मा को आउट कर मैच में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। राणा ने अंतिम ओवर में तीन रन देते हुए दो विकेट लिए। इस तरह उन्होंने अपने चार ओवर में 34 रन देकर दो विकेट लिए। दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले राणा को केकेआर ने घायल हुए रसिख सलाम डार के विकल्प के तौर पर साल 2022 में 20 लाख रुपये में खरीदा था। वहीं अब रसिख दिल्ली के लिए खेलते हैं। राणा जब टीम में आए थे तो अपनी तेज गति के लिए जाने जाते थे। केकेआर की टीम में वह सबसे तेज अनकैप्डज तेज गेंदबाज हैं। वह लगातार 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से फेंक सकते हैं। इसके साथ ही वह अपनी गेंदबाजी में विविधता लाते रहते हैं जिससे बल्लेबाजों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं।

टी20 विश्व कप : हरमनप्रीत ने की भविष्यवाणी, भारत सहित ये टीमें पहुंचेंगी सेमीफाइनल में

ढाका (एजेंसी)। कप्तान हरमनप्रीत कौर को भरोसा है कि भारतीय महिला टीम इस साल के टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली संभावित टीमों में से एक होगी। टी20 विश्व कप तीन से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में होना है और हरमनप्रीत का मानना है कि परिस्थितियों से परिचित होने से भारतीय टीम को टूर्नामेंट जीतने में मदद मिलेगी। टूर्नामेंट के नौवें सत्र के लिए भारत को छह बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में रखा गया है जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, 2016 का चैंपियन वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड शामिल हैं।

सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली टीमों के बारे में भविष्यवाणी करने के लिए कहे जाने पर हरमनप्रीत ने कहा, 'भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका क्योंकि ये सभी टीमें बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और उम्मीद है कि ये चारों सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती हैं।' भारत ने हाल ही में सिलहट में टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में बांग्लादेश को 5-0 से हरा दिया था। हरमनप्रीत ने यहां कार्यक्रम की घोषणा के लिए आयोजित समारोह के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, 'मुझे लगता है कि वह ऑस्ट्रेलिया होगा (जिसका मैं सामना करने के लिए उत्सुक हूं) क्योंकि वे बहुत प्रतिस्पर्धी हैं।'

भारत ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई प्रभुत्व को चुनौती दी है लेकिन इस टीम का वैश्विक प्रतियोगिताओं में हरमनप्रीत की टीम पर दबदबा रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने 2020 में महिला टी20 विश्व कप फाइनल के साथ-साथ 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में भी भारत को हराया। ऑस्ट्रेलिया ने

2023 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में भी भारत को हराया था। हरमनप्रीत ने कहा, 'अगर हम उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो इससे हमें काफी आत्मविश्वास मिलेगा और मैं वास्तव में उनके खिलाफ खेलने के लिए उत्सुक हूं।'

हरमनप्रीत का मानना है कि मेजबान टीम के खिलाफ हाल ही में खेली गई पांच मैचों की श्रृंखला में भारत की सफलता से उन्हें परिस्थितियों से अधिक परिचित होने का मौका मिला। उन्होंने कहा, 'हां, यह कुछ हद तक भारत जैसा ही है और उम्मीद है कि इन परिस्थितियों में हमें अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए।' भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले कुछ समय से कड़ी प्रतिर्द्वद्विता देखने को मिली है और यह हाल ही में समाप्त हुई श्रृंखला के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

भारत ने 2023 टी20 विश्व कप के बाद से दो बार बांग्लादेश दौरान किया है। पिछले साल जुलाई में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और वनडे श्रृंखला के लिए और फिर हाल ही में पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए। विश्व कप में भारत के अब तक के अनुभव के बारे में हरमनप्रीत ने कहा, 'मुझे लगता है कि सभी आईसीसी प्रतियोगिताओं में हमने अच्छा प्रदर्शन किया है। एकमात्र चीज यह है कि हमने कई करीबी मैच गंवाए हैं। और इस बार उम्मीद है कि हम करीबी मैच जीत सकते हैं और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।'

गोल्डन बॉल ट्रॉफी चोरी हुई, नीलामी रोकना चाहते हैं : माराडोना के उत्तराधिकारी

पेरिस । महान फुटबॉलर डिएगो माराडोना के उत्तराधिकारी उस ट्रॉफी की नीलामी को रोकने की कोशिश करने के लिए मुकदमा दायर करेंगे जो उन्हें 1986 विश्व कप में अर्जेंटीना की खिताबी जीत के बाद दी गई थी। उनके वकील ने मंगलवार को यह जानकारी दी। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को गोल्डन बॉल ट्रॉफी दी जाती है। यह ट्रॉफी दशकों से गायब थी और हाल ही में दोबारा सामने आई। अगुटेस ऑक्शन हाउस ने पिछले हफ्ते कहा था कि इसकी अगले महीने पेरिस में नीलामी की जाएगी। माराडोना का 2020 में 60 बरस की उम्र में निधन हो गया था। उन्हें 1986 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए इस ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। उन्होंने मेक्सिको सिटी में फाइनल में पश्चिम जर्मनी पर 3-2 की जीत के दौरान अर्जेंटीना की कप्तानी की। इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड पर 2-1 की जीत में विवादास्पद 'हैंड ऑफ गॉड' गोल और 'सदी का सर्वश्रेष्ठ' गोल किया था। माराडोना के उत्तराधिकारियों का कहना है कि ट्रॉफी चोरी हो गई थी और उनका दावा है कि मौजूदा मालिक इसे बेचने का हकदार नहीं हो सकता। पैराडॉक्स लॉयर्स फर्म के साथ काम करने वाले वकील जाइल्स मोरू ने कहा कि वह गोल्डन बॉल को नीलामी से हटाने के लिए पेरिस के पास नैनटेरे न्यायिक अदालत के अध्यक्ष से तत्काल अनुरोध करेंगे।

भविष्य में स्ट्राइक रेट के आधार पर टीम में चुने जाएंगे खिलाड़ी : मिलर

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर डेविड मिलर ने कहा है कि जिस प्रकार से आजकल टी20 क्रिकेट हो रहा है और स्ट्राइक रेट पर ही जोर दिया जा रहा है। उस स्थिति में आने वाले समय में खिलाड़ी बेहतर औसत नहीं बल्कि तेजी से खेलने की क्षमता के आधार पर ही चयनित किये जाएंगे। मिलर पिछले कुछ साल में फिनिशर की भूमिका में ही नजर आये हैं। इस आईपीएल सत्र में कई टीमों ने 250 से अधिक के सात स्कोर बनाए जिससे बल्लेबाज 'पावर गेम को अगले स्तर पर ले गए हैं जिससे स्ट्राइक रेट को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। मिलर ने कहा, 'हमने इस साल कुछ बड़े स्कोर देखे हैं। कुछ टीमों के साथ ही कुछ खिलाड़ियों ने जबरदस्त बल्लेबाजी की है। मैंने हमेशा देखा है कि हर कोई बल्लेबाज को औसत के आधार पर आंकता है। साथ ही कहा, 'टी20 क्रिकेट में किसी को पूरी तरह से इस आधार पर आंकना कठिन हो सकता है। शीर्ष तीन बल्लेबाजों के साथ निश्चित रूप से आप ऐसा कर सकते हैं, उन्हें बल्लेबाजी करने के लिए मिलने वाले ओवरों की संख्या पर्याप्त होती है। वहीं मध्य क्रम की बात आती है तो यह हमेशा स्ट्राइक रेट और बल्लेबाज के खेल का मैच पर पड़ने वाले प्रभाव की बात होती है ,ऐसे में मुझे लगता है कि लोगों को मैच जीतने की क्षमता के आधार पर टीमों का चयन करना होगा। वहीं अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप को लेकर मिलर का मानना है कि जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों के साथ मुकाबले कड़े रहेंगे। मैं एक बल्लेबाज हूं और बुमराह शीर्ष स्तर के गेंदबाज होने के कारण मेरे लिए खतरा बन सकते हैं। मिलर का मानना है कि उनकी टीम के पास टी20 विश्वकप में ट्रॉफी जीतने का अवसर है। यह आक्रामक बल्लेबाज इस चुनौती को लेकर उत्साहित है। उन्होंने कहा, 'इस समय हमारे पास जो टीम है, उसने पिछले कुछ वर्षों में एक साथ काफी क्रिकेट खेला है और इसमें काफी आत्मविश्वास है और काफी सफलता हासिल की है।

स्वदेशी खिलाड़ियों के बल पर आईपीएल में वापसी करने में सफल रही आरसीबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की टीम खराब शुरुआत के बाद भी वापसी करने में सफल हुई है पर इसका श्रेय देश के ही खिलाड़ियों को जाता है। इस सत्र में जब मोटी रकम लेकर खरीदे गये विदेश खिलाड़ी असफल हुए तो युवा देशी खिलाड़ियों युवा यश दयाल और स्वप्निल सिंह आदि को अवसर दिय गया। इसके अलावा अनुभवी रजत पाटीदार और दिनेश कार्तिक ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। टीम को कठिन हालात से उबारने में सबसे अहम भूमिका विराट कोहली की रही। विराट ने इस सत्र में 600 से अधिक रन बनाकर टीम को बेहतर हाल में पहुंचाया। लगातार 6 मैच हार चुकी आरसीबी को हर कोई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर मान रहा था पर टीम ने हार नहीं मानी। आरसीबी ने पलटवार किया और तीन सप्ताह में 5 मैच जीत अंक तालिका में टीम पांचवें नंबर पर पहुंच गयी।

आरसीबी ने आईपीएल 2024 में अपने अभियान की शुरुआत 22 मार्च को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के साथ मुकाबले से की। शुरुआत में टीम में ग्लेन मैक्सवेल, अल्जारी जोसेफ जैसे विदेशी खिलाड़ी थे जिन्हें 10 करोड़ से अधिक की रकम देकर खरीदा गया था पर वे असफल रहे। वेस्टइंडीज के जोसेफ फेल हुए तो इंग्लैंड के रीस टॉपली आए। टॉपली को बेहतरीन टी20 गेंदबाजों में शामिल किया जाता है पर वह भी टीम को पटरी पर नहीं ला पाये। इसके बाद स्वदेशी खिलाड़ियों को अंतिम ग्यारह में लाया गया।

इस प्रकार युवा यश दयाल और स्वप्निल सिंह को अवसर दिया गया, इन सभी ने बेहतर प्रदर्शन किया। शुरुआती सत्र में विफल रहे रजत पाटीदार और मोहम्मद सिराज भी दूसरे दौर में लय में आ गये। विराट पहले से ही जमे हुए थे। अब उनको अन्य खिलाड़ियों का साथ भी मिल गया था। इस प्रकार देखा जाये तो जब विदेशी दिग्गज नाकाम हो गए तो आरसीबी की कमान भारतीय खिलाड़ियों ने संभाली। इस टीम की ओर से जिन 4 बल्लेबाजों ने 300 से ज्यादा रन बनाए हैं, उनमें से तीन भारतीय हैं। बल्लेबाजी की बात करें तो विराट , पाटीदार और कार्तिक ने आरसीबी को जीत की राह पर धकेला। विराट ने सबसे अधिक 661 रन बनाए हैं जबकि रजत पाटीदार ने 320 और दिनेश कार्तिक ने 301 रन बनाए हैं। टीम की ओर से 300 से ज्यादा रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज कप्तान फाफ डू प्लेसी के नाम 367 रन हैं पर फाफ औसत के मामले में विराट, कार्तिक और पाटीदारा तीनों से पीछे हैं। इसके अलावा स्ट्राइक रेट में भी कार्तिक और पाटीदार उनसे आगे हैं।

आरसीबी के लिए सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में भी भारतीय ही आगे हैं। यश दयाल 13 और मोहम्मद सिराज 12 विकेट को गेंदबाजी में आरसीबी का नायक कहा जा सकता है। अनकैप्ड स्वप्निल ने भी अच्छी भूमिका निभाई है। स्वप्निल ने 5 मैच में 6 विकेट झटके हैं. सबसे खास बात यह कि उनका औसत 16.83 है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यह है आत्मविश्वास बढ़ाने की कुंजी

(रवीन्द्र गुप्ता)

हर इंसान अपने लक्ष्य की प्राप्ति में प्रयासरत रहता है। उसके लिए जरूरी होता है 'आत्मविश्वास'। 'आत्मविश्वास' यानी अपनी आत्मा पर विश्वास या अपने आप पर विश्वास।

जीवन में हर काम अपने आत्मविश्वास के बलबूते पर ही होते हैं। आत्मविश्वास के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण का होना जरूरी होता है। बिना आत्मविश्वास के कोई भी काम सफल नहीं हो सकता है।

अगर होता भी है तो निम्नस्तर का या आधा-अधूरा व खराब। आइए, हम जानते हैं आत्मविश्वास के बारे में-

क्या है आत्मविश्वास?

आत्मविश्वास वस्तुतः एक मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्ति है। इससे महान कार्यों के संपादन में सहजता और सफलता हमें प्राप्त होती है। बगैर आत्मविश्वास के इन कार्यों की सफलता संदिग्ध ही बनी रहती है।

एकाग्रचित बनें

जिस भी व्यक्ति का मन शंका, चिंता और भय से भरा हो वह बड़े कार्य तो क्या, साधारण से साधारण कार्य भी नहीं कर सकता है। चिंता व शंका आपके मन को कभी भी एकाग्र न होने देंगे अतः आत्मविश्वास बढ़ाने हेतु अपने मन से सभी प्रकार के संदेह निकालें तथा एकाग्रता को बढ़ाएं।

आत्मविश्वास अद्भुत शक्ति

आत्मविश्वास एक अद्भुत शक्ति होती है। इसके बल से व्यक्ति तमाम विपत्तियों तथा शत्रुओं का सामना कर लेता है। संसार के अभी तक के बड़े से बड़े कार्य आत्मविश्वास के बलबूते ही हुए हैं और हो रहे हैं तथा होते रहेंगे।

बच्चों में आत्मविश्वास भरें

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों में आत्मविश्वास भरें। उनका आत्मविश्वास कभी कम नहीं करना चाहिए। उन्हें कभी भी इस प्रकार के नकारात्मक शब्द कि 'तुम कुछ नहीं जानते' या 'तुम में इस बात की कमी है' कभी नहीं कहने चाहिए।

इससे बच्चों का आत्मविश्वास कम होता है तथा इससे उनमें हीनभावना जागृत होती है तथा वे कुंठित हो जाते हैं। आज जग में जो निराशा की भावना तथा गरीबी दिखाई दे रही है उसके पीछे प्रमुख कारण यही हीनभावना है।

ऐसे बढ़ाएं आत्मविश्वास -

सकारात्मक चिंतन हो : सबसे पहले व्यक्ति को चाहिए कि वह हमेशा सकारात्मक चिंतन करे। सकारात्मक विचारधारा के लोगों के साथ ही रहें। कहा भी जाता है कि 'जैसी संगति, वैसी उन्नति'। जैसी आपकी विचारधारा होगी, दिमाग भी वही सोचने लगता है अतः सकारात्मक ही सोचें तथा साथ ही अपनी खामियों को भी स्वीकार करें।

आत्मविश्वास से भरपूर होने का अभ्यास करें -

आप अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह प्रयास करें कि मैं सक्षम हूं। मैं यह कार्य कर सकता हूं। मुझे इसमें कोई दिक्कत नहीं आएगी।

महानायक अमिताभ बच्चन को भी पहली बार अभिनय करते वक्त काफी डर लगता था। जब अधिक डर लगता था तो वे स्वयं से कहते थे कि 'मैं जिसका रोल कर रहा हूं वह व्यक्ति मैं ही हूं' ऐसा सोचते व करते उनका आत्मविश्वास बढ़ गया व आज वे 'बिग बी' कहलाते हैं।

बीती ताहि बिसारि दे : अपने द्वारा भूतकाल में की गई गलतियों, असफलताओं को आप भुलाकर नई शुरुआत करें। भविष्य की योजना बनाएं तथा लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति में जुट जाएं।

उपलब्धियां याद रखें : आत्मविश्वास की कुंजी है असफलता को स्वीकारना। श्रेष्ठ काम के लिए स्वयं को सराहें। आपके द्वारा सफलतापूर्वक किया गया काम आप फिर दोहरा सकते हैं इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

नया सीखते रहें : यदि आपको वर्तमान परिस्थिति जटिल लगे तो उसे नए तरीके से सीखने का प्रयास करना चाहिए। कुछ नया सीखने से आपका आत्मविश्वास तथा उत्साह बढ़ेगा तथा आपको इस बात का एहसास होता रहेगा कि 'मैं कुछ अलग व नया जानता हूं।' इससे आपका काम कम समय में बेहतर तरीके से होगा।

व्यक्तित्व को निखारिए : अपने व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देते रहें तथा हमेशा अपना व्यक्तित्व आकर्षक बनाए रखिए। बॉडी लैंग्वेज और कम्युनिकेशन स्किल को सुधारें। संकीर्ण मनोवृत्ति का न बनें। स्वयं को नई सूचनाओं से अपडेट रखें तथा आसपास के परिवेश से भी तालमेल बैठाए रखें।

इस प्रकार की चंद बातों को आजमाकर आप अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं तथा जीवन में नित नई उन्नति कर सकते हैं। तो आप भी आज से जुट जाइए अपना आत्मविश्वास बढ़ाने व तरक्की करने में।

टॉपर्स बनने के टिप्स

सफलता को पाने के लिए कड़ी मेहनत तो करनी ही पड़ती है। हम किसी कक्षा की एग्जाम या प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हों, इसके लिए सिर्फ एक ही लक्ष्य रखना पड़ता है वह है पढ़ाई।

किसी परीक्षा में टॉप करने वाले स्टूडेंट्स को देखकर मन में यही विचार आता है कि टॉपर्स किस तरह से परीक्षा की तैयारी करते हैं।

कुछ टिप्स जो टॉपर्स अपनाते हैं-

- शुरुआत में ही यह सोच लें कि आपको किस क्षेत्र में करियर बनाना है, उस क्षेत्र में सफलता के लिए जुट जाएं।
- पूर्ण समर्पण के साथ पढ़ाई करें। अगर कोचिंग के अलावा घर पर भी पढ़ाई करें।
- स्वयं का आत्मविश्वास बनाएं रखें। स्वयं पर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- अपनी कमजोरियों को खोजें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें।
- टॉपिक्स को रटने की बजाय समझकर पढ़ने की कोशिश करें।
- पढ़ाई में निरंतरता रखें। रेग्यूलर पढ़ाई करने से वह बोझ महसूस नहीं होती।
- किसी प्रतियोगी एग्जाम की तैयारी प्लानिंग से करें ताकि रिविजन में परेशानी न आए।
- अपने ऊपर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- पढ़ाई के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी आने पर उसका टीचर्स से या दोस्तों के साथ मिलकर हल निकालने का प्रयास करें।
- जिस क्षेत्र में आप तैयारी कर रहे हैं, उस क्षेत्र के एक्सपर्ट?स का मार्गदर्शन समय-समय पर लेते रहें।

ऐसे करें टाइम मैनेजमेंट

समय का पहिया निरंतर घूमता रहता है। किसी के लिए रुकता नहीं है। जिस तरह मुट्ठी में बंधी हुई रेत को फिसलने से हाथ में ?नहीं रोका जा सकता है, उसी तरह समय के ?पहिए को भी नहीं रोका जा सकता है।

कॉम्पीटिशन के इस दौर में समय के साथ चलना जरूरी है। अक्सर लोग समय का रोना रोते रहते हैं। खासकर युवा व्यर्थ कामों में अपना समय लगाकर अपने महत्वपूर्ण काम की अनदेखी करते हैं। फिर उनकी शिकायत रहती है हमें समय ही नहीं मिलता। ऐसे में आवश्यकता होती है टाइम मैनेजमेंट की। आप अपना कार्य जितने व्यवस्थित तरीके से करेंगे, काम उतना बेहतर और जल्दी होगा।

जानिए टाइम मैनेजमेंट के कुछ टिप्स-

- सबसे पहले यह देखें कि आप कहां टाइम वेस्ट कर रहे हैं। जैसे चेटिंग, फेसबुक, ई-मेल या टीवी वगैरह। इन कामों का समय निर्धारित कर आप काफी टाइम बचा सकते हैं।
- प्राथमिकताएं तय कीजिए। जो काम जरूरी है उसे अभी ?कीजिए और जो बाद में किया जा सकता है, उसके लिए समय तय कीजिए। गैर जरूरी काम छोड़कर भी आप वर्कलोड कम कर सकते हैं।
- टाइम मैनेजमेंट टूल्स का उपयोग कीजिए। मोबाइल, कैलेंडर या चार्ट वगैरह की मदद से काम समय पर निपटाए जा सकते हैं। बस रिमांडर को अवॉइड करने की आदत छोड़नी होगी।
- काम आउटसोर्स कीजिए। आप चाहें स्टूडेंट हों, प्रोफेशनल हों या गृहिणी, ऐसे कई काम हैं जो दूसरों से करवाए जा सकते हैं। इससे आपका वर्कलोड कम होगा और आप बेहतर काम कर पाएंगे।
- इंतजार में वक्त बर्बाद न करें। कई मौकों पर हमें इंतजार करते हुए लंबा समय गुजारना पड़ता है। कुछ छोटे-मोटे काम इस समय निपटाए जा सकते हैं। जैसे मेल्स चेक करना, नोट?स बनाना या जरूरी फोन लगाना।

इन आसान टिप्स को अपनाकर आप समय के सदउपयोग के साथ उसके साथ आगे बढ़ सकेंगे।

संकल्पों के साथ कैरियर की शुरुआत

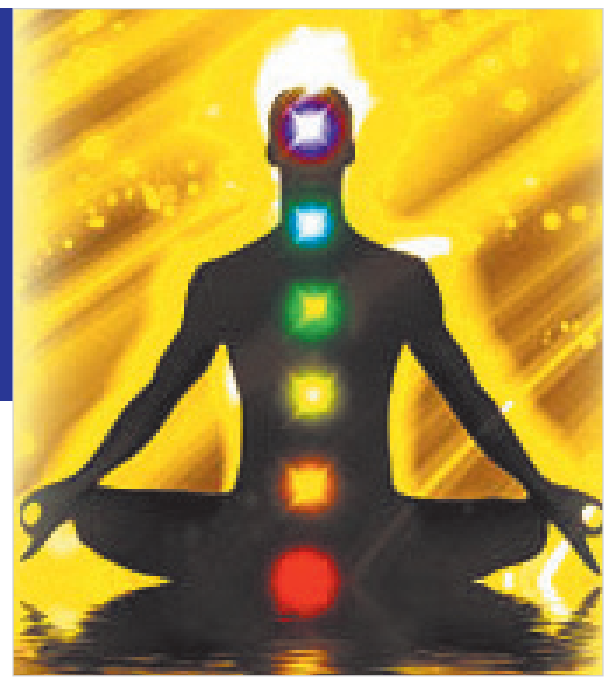

जो संकल्प लिया गया हो, उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

कई लोगों को लगता है कि जिंदगी बहुत छोटी है, इसमें कई बड़े काम करने हैं। यह सही है कि जीवन बहुत छोटा है, लेकिन यह सोच कतई उचित नहीं है कि आप एकसाथ कई संकल्प कर लें या कामों की लाइन लगा दें। मतलब यही कि आप कई संकल्प एकसाथ न लें। ऐसा करना अपनी क्षमताओं को बहुत ज्यादा आंकने से भी हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि ठोक-बजाकर वही संकल्प लें, जिसे पूरा करना संभव हो।

अक्सर देखा जाता है कि देखा-देखी या किसी के कहने में आकर भी संकल्प ले लिए जाते हैं। ऐसे संकल्पों की कोई ठोस जमीन नहीं होती। नतीजतन संकल्प का कोई मतलब नहीं रह जाता। इससे बेहतर है कि अपनी रुचि, इच्छा तथा तैयारी हो तभी संकल्प लें। हरेक व्यक्ति की क्षमता, सोच, उत्साह, जोश, प्रवृत्ति, प्रकृति आदि अलग-अलग होते हैं। इसलिए अपने व्यक्तित्व को जाँचकर संकल्प लें।

जो संकल्प लिया गया हो उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

बड़े काम तभी संभव हो पाते हैं, जब उन्हें पूरा करने में हम पूरी दृढ़ता के साथ पूरी शक्ति, उमंग, जोश तथा ऊर्जा के साथ लग जाते हैं। यदि हमारी मनःस्थिति ढुलमुल रही या हम 'हां-ना' के जाल में फंसे रहे तो एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा सकते। काम छोटा हो या बड़ा, उसे पूरा करने के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

जीवन को अर्थवान बनाने के लिए कई लोग तरह-तरह के संकल्प लेते हैं। इससे उनके जीवन का लक्ष्य तय होता है। प्रसिद्ध विचारक स्वेट मॉर्डेन ने अपनी पुस्तक में लिखा है, 'ऐसा व्यक्ति कठिनाई से मिलता है, जो विश्वासपूर्वक यह कह सके कि मैं करूंगा। जो कार्य मुझे करना चाहिए मैं उसे करता हूं, जो कार्य मैं कर सकता हूं, वह मुझे करना चाहिए। भगवान की कृपा से मैं ऐसे कार्य अवश्य पूरे करूंगा। मैंने परम पिता परमेश्वर के सम्मुख प्रण लिया है कि मैं इसे अवश्य पूर्ण करूंगा।' व्यक्ति इस आधार पर अपना संकल्प तय कर ले तो उसमें जो आत्मविश्वास एवं दृढ़ता आएगी, उससे उसके संकल्प के पूरा होने में कोई संदेह नहीं रहेगा।

किसी भी संकल्प को लेने से पहले सबसे ज्यादा जरूरी है कि बिलकुल शांत तथा एकाग्र हो जाएं। फिर अपनी तमाम शक्तियों या क्षमताओं तथा कमजोरियों का पूरा आकलन करें। इसमें अपनी रुचि को सर्वोच्च स्थान दें।

ऐसा करने से आपको अपनी सीमाओं का पता चल जाएगा और आप अपनी हद में रहकर संकल्प ले सकेंगे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो संकल्प अति उत्साह या आवेग में लिया हुआ होगा, जिसका ज्वार बहुत जल्दी उतर जाता है। ऐसे में व्यक्ति का संकल्प भी धरा-का-धरा रह जाता है। इसका असर इतना विपरीत होता है कि व्यक्ति निराश एवं हताश हो जाता है, जिससे उसके दूसरे कार्य भी बिगड़ जाते हैं। उसका संपूर्ण व्यक्तित्व नकारात्मक दिशा में जा सकता है।

नहीं मिल रही है नौकरी, तो करें...

अगर सभी योग्यता और डिग्री होने के बाद भी आपको नौकरी नहीं मिल रही है। भरपूर प्रयत्न करने के बाद भी आप जॉब मार्केट में कंपनियों का ध्यान आकर्षित नहीं कर पा रहे हैं। आप इंटरव्यू में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो आपको सेल्फ एनालिसिस करना होगा।

इससे आप अपनी खूबियों को पहचान सकेंगे और उन्हें जॉब्स ढूंढने में उपयोग कर सकते हैं। कुछ खास बातें जो आपको नौकरी दिलाने में मददगार हो सकती हैं-

कम्युनिकेशन बढ़ाएं- सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट?स पर सक्रिय रहें। लोगों से मिलें। हर जॉब पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना चाहिए। नौकरी की अपनी जरूरतों को स्पष्ट रूप से बता देना चाहिए। ई-मेल या फोन करने की बजाय लोगों से सीधे मिलें। इससे आपका प्रभाव लोगो पर अच्छा पड़ेगा।

विकल्पों पर रखें नजर- आप जिस क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हैं, उससे जुड़ी कंपनियों के वर्क कल्चर और हायरिंग प्रोसेस के बारे में जानकारी जुटाएं। कुछ ऐसी कंपनियों पर भी गौर कर सकते हैं, जो अलग-अलग तरह के काम करवाती हैं।

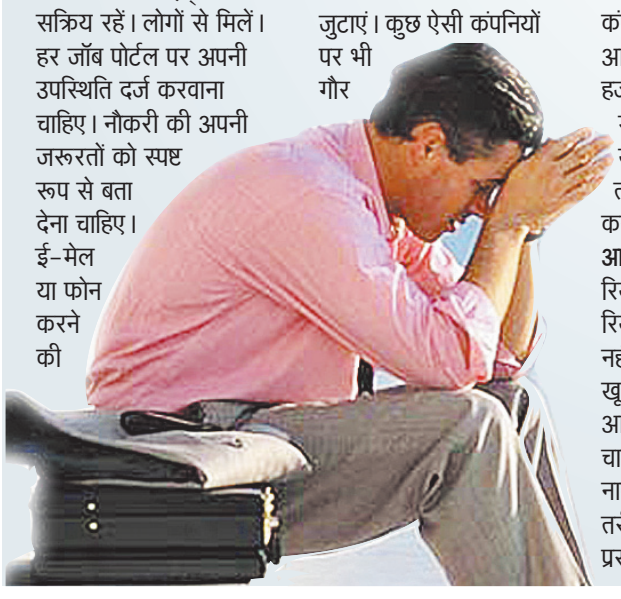

अपनी खूबियों को पहचानें- नौकरी ढूंढने से पहले आपको अपनी खूबियों की बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात की भी जानकारी रखें कि आज जॉब्स देने वाली कंपनियों की जरूरतें क्या हैं। आजकल एक नौकरी के लिए हजारों आवेदन आते हैं, ऐसे में आपमें कुछ खास योग्यताएं होनी चाहिए , ताकि आप वह जॉब हासिल कर सकें।

आकर्षक हो रिज्यूमे- आपका रिज्यूमे आकर्षक होना चाहिए। रिज्यूमे में ओवरलोड कंटेंट नहीं होगा चाहिए। अपनी खूबियां संक्षेप में होनी चाहिए। आपका प्रोफाइल खास होना चाहिए। अपनी पसंद और नापसंद और काम करने के तरीके के बारे खास तरीके से प्रस्तुति दें।

इंटरव्यू के लिए खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंम्प्रेशन इज़ लास्ट इम्प्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं।

समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुचें और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है।कई कंपनियों में तो कैंडिडेट?स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं।

बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर-उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है।

सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटिट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें।

अपने इम्प्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इम्प्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

महंगाई बनी हिंसा की वजह : पाक अधिकृत पीओके में 31 सौ रुपए में बिकने वाला 40 किलो आटा अब 2 हजार में मिलेगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अधिकृत पीओके में लोग बढ़ती महंगाई से परेशान है। इसी परेशानी के चलते बीते रोज यहां आंदोलन हुआ और पुलिस ने आंसू गैस दागकर खूब लाठियां भांजी। नतीजा ये हुआ कि तीन लोगों की मौत हो गई और 6 लोग घायल हो गए। इस तरह के बिगड़े हालातों के चलते पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने 23 अरब रुपए का अनुदान पैकेज पीओके के लिए जारी कर दिया। इसके बाद भी हालातों में कोई सुधार नहीं है। अनुदान के बाद केवल फर्क इतना पड़ेगा कि जो आटा 31 सौ रुपए में 40 किलो आता था वो अब 2 हजार में आएगा। जिसमें गेहूं और बिजली की सब्सिडी शामिल है। लेकिन पीओके के लोगों का गुस्सा थमा नहीं है। शुक्रवार से चल रहा आंदोलन अब भी जारी है और इसमें शामिल जॉइंट अवामी ऐक्शन कमेटी का कहना है कि इस बारे में आज फैसला लेंगे। कमेटी का कहना है कि पीओके में खाने, ईंधन और जरूरी सामानों की कीमत बहुत ज्यादा है। मुख्य तौर पर अवामी कमेटी कारोबारियों का संगठन है, लेकिन इसे आम लोगों का भी बड़े पैमाने पर समर्थन मिल रहा है। खासतौर पर लोगों का आरोप है कि पाकिस्तान पीओके के संसाधनों का दोहन कर रहा है, लेकिन वहां के नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए भी तरस रहे हैं। दरअसल भारत ने पाकिस्तान से आने वाले उत्पादों पर कस्टम ड्यूटी 200 पर्सेंट तक बढ़ा दी है। पीओके से बड़े पैमाने पर रॉक साल्ट, सीमेंट, जिप्सम आदि का भारत में आयात होता था, लेकिन कस्टम ड्यूटी बढ़ाने से कारोबार ठप है। भारत के इस फैसले से पाकिस्तान का आयात 45 मिलियन डॉलर प्रति माह से घट कर 2.5 मिलियन डॉलर रह गया है। बता दें कि भारत ने 2019 में आर्टिकल 370 हटा दिया था, जिसके बाद पाकिस्तान ने भारत से कारोबार पर पूरी तरह रोक लगा दी थी ।पाकिस्तान में महंगाई और आर्थिक बदहाली का दौर है। ऐसी स्थिति में सुदूर इलाके तो और ज्यादा प्रभावित हैं। यही नहीं भारत के साथ कारोबार रोकने से भी पीओके जैसे क्षेत्रों के लोग आजीविका तक के लिए जूझ रहे हैं। एक तरफ कारोबार ठप होना और दूसरी तरफ बिजली, गेहूं और पेट्रोल जैसी जरूरी चीजों की महंगाई ने लोगों को त्रस्त कर रखा है। पीओके में उठा यह आंदोलन पहला नहीं है। इससे पहले अगस्त 2023 में भी आंदोलन हुआ था, लेकिन इतना हिंसक नहीं हुआ था। आमतौर पर ऐसे आंदोलन मुजफ्फराबाद तक ही सीमित होते थे, लेकिन इस बार पूरे पीओके में असर दिखा है। यहां तक कि गुस्साए लोगों ने विधानसभा समेत तमाम सरकारी इमारतों को भी घेर लिया। पाकिस्तान के हालात ऐसे हैं कि मई 2022 से अब तक उपभोक्ता महंगाई दर 20 फीसदी बढ़ चुकी है। मई 2023 में तो यह 38 पर्सेंट तक पहुंच गई थी। सबसे अहम बात यह है कि पीओके में नीलम-झेलम बिजली परियोजना है। पीओके के लोगों का कहना है कि यहां से पैदा होने वाली बिजली पंजाब जैसे राज्यों को मिल रही है, लेकिन वहीं नहीं दी जा रही। बड़े पैमाने पर बिजली कटौती होती है और दर भी बहुत ज्यादा है। यह परियोजना 2600 मेगावॉट की है।

हजारों साल पहले हुआ था असाधारण माइग्रेशन, दक्षिण पूर्व एशिया से ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप में पहुंची थी इंसानों की आबादी

सिडनी (ईएमएस)। लगभग 70 हजार साल पहले मानव इतिहास का एक असाधारण माइग्रेशन (प्रवास) हुआ था, जब इंसानों की आबादी दक्षिण पूर्व एशिया से ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप में पहुंची थी। ये वे लोग थे जो आधुनिक ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासी कहे जाते हैं। ताजा शोध में कहा गया है कि 70 हजार साल पहले जब पृथ्वी अंतिम हिमयुग के बीच में थी, उस ऑस्ट्रेलिया को साहुल नाम का एक बड़ा क्षेत्र था। हिमनद के कारण समुद्र के स्तर में गिरावट थी और ऑस्ट्रेलिया उत्तर में पापुआ न्यू गिनी और दक्षिण में तस्मानिया तक जुड़ा हुआ था। हिमयुग के बाद वैश्विक तापमान में वृद्धि हुई और समुद्र का स्तर बढ़ने के चलते बीच का हिस्सा पानी में डूब गया और ऑस्ट्रेलिया की मुख्य भूमि अलग हो गई। वैज्ञानिकों के मुताबिक, न्यू गिनी लगभग 8000 साल पहले जबकि तस्मानिया लगभग 6000 साल पहले ऑस्ट्रेलिया से अलग हुआ था। शोधकर्ताओं ने इस जानकारी का इस्तेमाल एक परिदृश्य का मॉडल विकसित करने में किया। इसमें दक्षिण पूर्व एशिया के दो स्थानों पश्चिम पापुआ और तिमोर सागर शेल्फ के साथ-साथ आधुनिक परिदृश्य में फैले पुरातात्विक स्थलों से दक्षिण पूर्व एशिया से ऑस्ट्रलिया के संभावित प्रवासन मार्गों को शामिल किया गया। सिडनी यूनिवर्सिटी में जियोसाइंसेज स्कूल के प्रोफेसर और शोध के प्रमुख लेखकर ट्रिस्टन सैलेस ने कहा, नया परिदृश्य विकास मॉडल इन इलाकों के पर्यावरण के अधिक वास्तविक जानकारी देता है, जहां आखेटक समुदायों ने साहुल को पार किया था। इन परिदृश्य की विशेषताओं और भोजन की उपलब्धता के आधार पर संभावित रास्तों का पता लगाया गया। अध्ययनकर्ताओं ने दावा किया कि ये रास्ते समुद्र तट के किनारे और सीधे महाद्वीप के आंतरिक भाग से होते हुए प्रमुख नदियों और झरनों से होते हुए गए हैं। कहा गया है कि प्रवास के दौरान इंसान हर साल 1.15 किलोमीटर की गति से बढ़े जो अपेक्षाकृत तेज है। अध्ययन के लेखकों ने प्रागैतिहासिक काल के दौरान साहुल में इंसानों की मौजूदगी की संभावना का पता लगाया है। इसमें कहा गया है कि वर्तमान में पानी के अंदर डूब चुके साहुल के उत्तरी शेल्फ पर कभी पांच लाख लोग रहते रहे होंगे। बता दें कि वैज्ञानिकों के लिए आज तक ये रहस्य अनसुलझा रहा कि हजारों साल पहले आखिर कैसे मनुष्य ने इतनी लंबी समुद्री यात्रा की होगी। इस प्रवास के बारे में शोधकर्ताओं की हैरानी लगातार बनी रहीं कि यह यात्रा कितने समय में पूरी हुई और इस दौरान कौन से रास्ते अपनाए गए होंगे। अब इस नए शोध में इसके संभावित उत्तर का पता चला है।

एयरपोर्ट पर लगेज का पैसा बचाने शख्स ने लगाया गजब का दिमाग

सैन फ्रांसिस्को । ब्रिटेन में एक शख्स ने एयरपोर्ट पर लगेज का पैसे देने से खुद को जिस तरह बचाया, वो जानकर लोग हैरान हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कार्डिफ के रहने वाले फिल लिस्ले ब्रिसल से अपने दोस्तों के साथ पार्टी करने स्पेन के बेनिडॉर्म जा रहे थे। उन्होंने ईजीजेट एयरलाइन से अपनी बुकिंग की थी। पर उनका एक लेदर बैग काफी भारी हो गया, जिसकी वजह से ब्रिटेन के ब्रिसल एयरपोर्ट पर उन्हें 5 हजार रुपये चुकाने पड़े। उन्होंने बताया कि बैग उन्होंने यूं ही ढेर सारे कपडे भर लिए थे, जो काफी सस्ते थे। उनकी कुल कीमत 5 हजार रुपये तक नहीं थी, जितना उन्हें कपड़े ले जाने में देना पड़ा। इसलिए उन्होंने तय कर लिया कि जब वो अपनी छुट्टियां मनाकर लैटेंगे तो बेनिडॉर्म एयरपोर्ट पर रुपये नहीं देंगे। इसके लिए उन्होंने दिमाग भिड़ाया और कपड़ों को बैग में रखने की जगह पहन लिया। आपको जानकर हैरानी होगी कि उन्होंने 13 शर्ट, 2 पैंट, 4 शॉर्ट्स और 4 अंडरवियर को पहन लिया। पहले उन्होंने कसी हुई, छोटी शर्ट पहनी और फिर बड़ी शर्ट्स को पहना। उनके दोस्तों को भी ये देखकर अजीब लगा और उन्होंने फिल से पूछा कि वो कितनी शर्ट पहने हैं, तो उन्होंने बात को टाल दिया। एयरपोर्ट पर जब वो इस हालत में पहुंचे तो लोग भी उन्हें घूरने लगे। फिल को लगा था कि जब वो फ्लाइट के अंदर पहुंचेंगे तो शायद एयरपोर्ट स्टाफ उन्हें देखकर भड़केगा और वो किसी मुश्किल में फंस सकते हैं। पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। स्टाफ ने भी उन्हें देखकर मजाक करना शुरू कर दिया। जब वो अंदर अपनी सीट पर पहुंचे, तो एक-एक कर अपने अतिरिक्त कपड़े उतार दिए। उन्होंने कहा कि पैसे बचाना तो एक कारण था ही, वो ये भी देखना चाहते थे कि उन्हें ऐसा करने से रोका जाता है या नहीं।

पीओके में चौथे दिन भी पहिया-जाम हड़ताल जारी, कश्मीरी एक्टिविस्ट चिंतित

ग्लासगो । पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में लोगों के विरोध प्रदर्शन को शांत करने के लिए पाकिस्तानी सैन्य रेंजरों को तैनात किया गया है। राजधानी मुजफ्फराबाद में स्थिति बिगड़ती जा रही है। यहां लोगों के विरोध प्रदर्शन करने वालों पर दिनदहाड़े हत्या करने का अल्टीमेटम दे दिया है। बता दें कि व्हील जाम हड़ताल लगातार चौथे दिन जारी है। अशांति के बीच अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हो रही है। स्कॉटलैंड में रहने वाले पीओके कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने इस लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि मुजफ्फराबाद में स्थिति बहुत गंभीर बनी हुई है। कश्मीरी एक्टिविस्ट ने कहा कि यह दिनदहाड़े हत्या है, जो पीओके में हो रही है। हमारी जान खतरे में है। दरअसल, यह अशांति मंगला बांध से टैक्स फ्री बिजली और गेहूं के आटे पर सब्सिडी की मांग को लेकर अवामी एक्शन कमेटी द्वारा शुरू की गई पहिया-जाम हड़ताल से उपजी है। लगातार चौथे दिन जारी यह हड़ताल पीओके निवासियों के बीच बढ़ते असंतोष का कारण बनती जा रही है।

पाकिस्तान में बढ़ती कीमतों से परेशान लोगों ने सब्सिडी की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

भारत की ओर चल पड़ा पीओके, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में फैली अराजकता कैसे इस्लामाबाद के लिए है खतरे का संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में 1996 के बाद 2024 लोकसभा के लिए सबसे अधिक 37.98 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। वहीं पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कश्मीरी 9 मई से इस्लामाबाद के सौतेले व्यवहार के खिलाफ आवाज बुलंद करते दिखे। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए हैं। मुजफ्फराबाद समते कई शहरों में प्रदर्शन के दौरान हिंसा, आगजनी तक देखने को मिली है। 90 से ज्यादा लोगों को प्रदर्शन के दौरान चोटें लगी हैं। विरोध प्रदर्शन का कारण छापेमारी और गिरफ्तारियों का दौर देखने को मिल रहा है। हालाँकि, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ द्वारा सोमवार को 23 बिलियन पाकिस्तानी रुपये के पैकेज की घोषणा के बाद हिंसक विरोध प्रदर्शन बंद कर दिया गया है। लेकिन श्रीनगर घाटी में आर्थिक असमानताओं और कब्जे वाले कश्मीरियों में शोषित जनता के बढ़ने के बावजूद यह इस्लामाबाद के लिए एक खतरे का संकेत है।

पश्चिमी मीडिया में नहीं मिली प्रदर्शन को उतनी कवरेज

पाकिस्तान और पश्चिमी मीडिया ने पीओके में फैली अराजकता को उतनी कवरेज नहीं दी। लेकिन समाहमी, सेहंसा, मीरपुर, दादियाल, रावलकोट, खुईरत्ता, तत्तापानी और हट्टियन बाला में जमकर विरोध प्रदर्शन हुए। यह समझा जाता है कि कम से कम 70 जेएएसी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया, जिसके कारण पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। एक पुलिस कर्मी और तीन नागरिक मारे गए और टकराव में 100 से कम गंभीर रूप से घायल हुए। भोजन (गेहूं), ईंधन और बिजली बिलों की बढ़ती कीमतों के कारण अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शन में सबसे आगे रहा है। जेएएसी ने 11 मई को मुजफ्फराबाद में 'लॉन्ग मार्च' का आह्वान किया था, जिसे इस्लामाबाद ने 8-9 मई को छापे और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी से रोक दिया था। हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तान रेंजर्स के तीन वाहनों को आग लगा दी गई और प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान विरोधी और स्वतंत्रता समर्थक नारे लगाए। पिछले सप्ताह से इंटरनेट बंद था और स्कूल तथा व्यापारिक प्रतिष्ठान भी बंद थे।

प्रदर्शनकारियों के आगे शहबाज सरकार को झुकना पड़ा

पिछले तीन दशकों से पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए भारत को दोषी ठहराता रहा है। अर्ध-सैन्य बलों ने विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए अत्यधिक बल का इस्तेमाल किया। विरोध प्रदर्शन इतने हिंसक थे कि पीएम शरीफ को प्रदर्शनकारियों से शांति का आह्वान करना पड़ा और अंत में सब्सिडी वाली बिजली और ईंधन की उनकी मांगों के सामने झुकना पड़ा। इस्लामाबाद ने स्थानीय पुलिस के अलावा सेना के अलावा कोहाला से पाकिस्तान रेंजर्स की तीन बटालियन तैनात कीं। भले ही पाकिस्तान पुलिस विरोध प्रदर्शनों को भड़काने के लिए भारत को दोषी ठहरा रही है, मई 2023 से अधिकृत कश्मीर के रावलकोट में असंतोष भड़क रहा है और कार्यकर्ता प्रांतीय और संघीय के खिलाफ हथियार उठा रहे हैं; बिजली और गेहूं के आटे की कीमतों में बढ़ोतरी पर सरकार। इसके बाद बहिष्कार किया गया और बिजली बिलों का भुगतान नहीं किया गया। पीओके में बिजली शुल्क उत्पादन लागत से पांच गुना है और इसे लेकर स्थानीय लोगों में गहरी नाराजगी है।

क्या है प्रदर्शनकारियों की मांगे

गिलगित-बाल्टिस्तान के समान गेहूं सब्सिडी के अलावा बिजली शुल्क मंगला बांध जलविद्युत परियोजना से उत्पादन लागत पर आधारित होना चाहिए। शासक वर्ग और अधिकारियों के अनावश्यक भत्ते और विशेषाधिकार पूरी तरह से समाप्त किये जाने चाहिए। छात्र संघों पर लगे प्रतिबंध हटा दिए गए और चुनाव कराए गए। अधिकृत कश्मीर में जम्मू और कश्मीर बैंक को एक अनुसूचित बैंक बनाया जाए। नगर निगम प्रतिनिधियों को धन एवं अधिकार दिये जायें। सेलुलर कंपनियों और इंटरनेट सेवाओं की दरें मानकीकृत हैं। संपत्ति हस्तांतरण कर कम किया जाए। जवाबदेही ब्यूरो को सक्रिय किया जाना चाहिए और अधिनियम में प्रासंगिक संशोधन किए जाने चाहिए। पेड़ काटने पर प्रतिबंध लगाया जाए।

शी के बुलावे पर गुरुवार को बीजिंग पहुंच रहे पुतिन

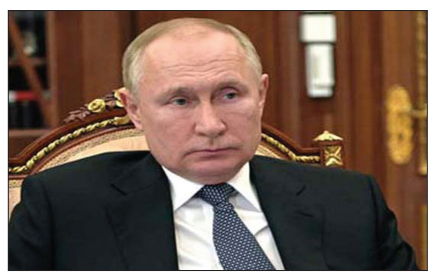

बीजिंग। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस सप्ताह चीन की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर आ रहे है। चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। चीनी विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि पुतिन गुरुवार से शुरू होने वाली अपनी यात्रा के दौरान चीनी नेता शी जिनपिंग से मुलाकात करने वाले है। क्रेमलिन ने यात्रा की पुष्टि कर कहा कि पुतिन शी के निमंत्रण पर जा रहे हैं। इसमें कहा गया कि राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने और कार्यालय में अपना पांचवां कार्यकाल शुरू करने के बाद पुतिन की यह पहली विदेश यात्रा होगी। उल्लेखनीय है कि महाद्वीप के आकार के दो सत्तावादी राज्य, जिनका लोकतंत्रों और नाटो के साथ विवाद बढ़ रहा है। वह अफ्रीका, मध्य पूर्व और दक्षिण अमेरिका में प्रभाव हासिल करना चाहते हैं। चीन ने बिना कोई ठोस सबूत पेश किए रूस के इस दावे का समर्थन किया है कि राष्ट्रपति पुतिन ने पश्चिमी उकसावे के कारण 2022 में यूक्रेन पर हमला किया था।

अमेरिकी सांसद ने गुस्से में कहा- गाजा पर परमाणु हमला होने दीजिए

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा, जब हम पर्ल हार्बर के बाद एक राष्ट्र के तौर पर तबाही का सामना कर रहे थे, जर्मनी और जापान से लड़ रहे थे, तब हमने हिरोशिमा और नगासाकी पर बम गिराकर युद्ध को खत्म करने का फैसला किया था। वह सही फैसला था। उन्होंने कहा, इजरायल को भी बम दो, जिसकी उन्हें जरूरत है। वे हार नहीं सकते।एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि एक यहूदी राष्ट्र के तौर पर इजरायल को अस्तित्व बचाने के लिए जो भी कुछ करना पड़े, उसे करना चाहिए। उन्होंने कहा, हिरोशिमा और नगासाकी पर बम गिराकर खतरे को खत्म करना अमेरिका के लिए कैसे सही था? अगर हम करें, तो यह सही कैसे है? मुझे लगा वह सही होगा। उन्होंने कहा, ऐसे में इजरायल आपको यहूदी राष्ट्र के तौर पर जीवित रहने के लिए जो भी कुछ करना पड़े, करें।

बता दे कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन रफा में कार्रवाई को लेकर इजरायल की हथियार सप्लाई रोकने की बात कर रहे हैं। खबर है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने हाल ही में इजरायल को की जाने वाली 3 हजार भारी बमों की डिलीवरी रोक दी है। साथ ही उन्होंने यह कसम भी खाई है कि अगर इजरायल रफा में बड़ा ऑपरेशन शुरू करता है, तो और भी हथियारों की सप्लाई रोक दी जाएगी।इसी बीच अब एक अमेरिकी सीनेटर ने इजरायल को बम दिए जाने की वकालत की है। उन्होंने इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष की तुलना दूसरे विश्व युद्ध से की है। उन्होंने कहा कि इजरायल युद्ध हार नहीं सकता। 7 अक्टूबर को फिलिस्तीनी समूह हमास ने इजरायल पर हमला किया था। इसके बाद से ही दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष जारी है।इस दौरान उन्होंने जनहानि के आरोप भी हमास पर लगाए। ग्राहम ने कहा, मुझे लगता है कि जब तक हमास अपने ही लोगों का इस्तेमाल मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल करना बंद नहीं करता है, तब तक गाजा में आम नागरिकों की मौतों में कमी लाना असंभव है। मैंने युद्ध के इतिहास में ऐसा कभी नहीं देखा कि कोई दुश्मन आम नागरिकों की जान को खतरे में डालता है।

रुस का सामना नहीं कर पा रही यूक्रेन की सेना, खो दिया दूसरा बड़ा शहर

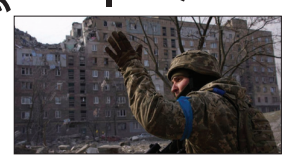

खारकीव (एजेंसी)। हथियारों की कमी और मनोबल गिरने से यूक्रेनी सेना युद्ध में पिछड़ रही है। उधर, रूसी सेना विस्फोटक हमलों से यूक्रेनी शहरों को तबाह कर रहे हैं और उसने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव के नौ इलाकों पर कब्जा भी कर लिया है। रूसी सेना खारकीव में काफी अंदर आ चुकी है और लगातार आगे बढ़ रही है। फरवरी 2022 से शुरू हुए इस युद्ध के बाद यूक्रेन ने खारकीव को वापस हासिल कर लिया था, अब रूस ने एक बार फिर खारकीव पर कब्जा कर लिया है। अपनी सेना की इस जीत से व्लादिमीर पुतिन गदगद हैं।कुल मिलाकर खारकीव, यूक्रेन और रूस के बीच चल रही जंग खतरनाक हो गई है।

रूस ने बीते शुक्रवार को सीमा पार से घुसपैठ के बाद खारकीव पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण शुरू होने के बाद यह रूस के लिए बड़ी जीत मानी जा रही है, जमीनी हमले में रूस कम से कम नौ गांवों और बस्तियों पर अपना कब्जा कर चुका है। हजारों की संख्या में लोग अपना स्थान छोड़कर भाग चुके हैं। उधर, यूक्रेनी कमांडरों को इस बात की चिंता है कि अगर रूसी सैनिक शहर की तोपखाने की सीमा के भीतर आ गए तो बड़ी तबाही हो सकती है। यूक्रेन की सेना ने दावा किया है कि रूस ने अपने नवीनतम हमले में अपनी पांच प्रमुख बटालियन तैनात किए हैं और स्वीकार किया कि मॉस्को के सैनिकों को खारकीव में कुछ सफलताएं मिली हैं। बताया जा रहा है कि अमेरिका और पश्चिमी देशों की तरफ से हथियारों की सप्लाई सुस्त या फिर बंद हो गई है। इससे यूक्रेन की सेना का मनोबल भी गिरा है और हथियारों की कमी से वे रूसी सेना के आगे टिक नहीं पा रहे हैं। रूस ने कहा है कि उसकी सेनाएं यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव के पास उत्तर-पूर्वी सीमावर्ती शहर वोवचांस्क में प्रवेश कर गई हैं। रूसी सेना खारकीव में दो किलोमीटर तक अंदर आ गई है।

यूक्रेन का उत्साह बढ़ाने रातों-रात ट्रेन से पहुंचे अमेरिकी विदेश मंत्री

-अमेरिका बोला-अब यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई तेज की जाएगी

कीव (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन यूक्रेन का उत्साह बढ़ाने के लिए रातोंरात ट्रेन से कीव पहुंच गए हैं। जब से यूक्रेन में युद्ध शुरू हुआ है यह अमेरिकी विदेश मंत्री का चौथा दौरा है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चलते करीब दो साल से ज्यादा हो गए हैं। इस बीच दावा किया जा रहा है कि रूस ने यूक्रेन के कई शहरों पर कब्जा कर लिया है और वह यूक्रेनी सेना पर भारी पड़ रहा है।

अमेरिका हमेशा ही यूक्रेन के समर्थन में रहा है। पिछले महीने ही अमेरिकी कांग्रेस ने यूक्रेन को 60 अरब डॉलर के सहायता पैकेज को मंजूरी दी है। इसमें यह राशि खराब हो चुके हथियारों की मरम्मत और एयर डिफेंस पर खर्च की जाएगी। अपने दौरे में ब्लिंकन यूक्रेन को भरोसा दिलाएंगे कि इस युद्ध में अमेरिका उसके साथ है। जो बाइडेन द्वारा सहायता पैकेज को मंजूरी दिए जाने के बाद अमेरिका ने 1.4 अरब डॉलर के शॉर्ट टर्म मिलिट्री पैकेज को भी मंजूरी दी है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि अब यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई तेज की जाएगी।

सुलीवन ने कहा कि गोला-बारूद, एयर डिफेंस और लॉन्ग रेंज की मिसाइलें पहले ही डिलीवर कर दी गई हैं। ब्लिंकन की यूक्रेन यात्रा की जानकार देते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि वह यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और अन्य यूक्रेनी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। ब्लिंकन युद्ध के बारे में सारी जानकारी लेंगे। इसके अलावा वह यह भी जानना चाहते है कि रूसी हमले से निपटने के लिए यूक्रेन को किस सहायता की जरूरत है।

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि गुरुवार को यूक्रेन में ब्लिंकन बताएंगे कि रूस की बड़ी रणनीतिक हार हुई है। बता दें कि जेलेंस्की ने फोन पर अमेरिका को बताया था कि पूर्वी और पूर्वोत्तर की सीमाओं पर रूस तेजी से हमला कर रहा है और वह यूक्रेनी सैनिकों को मार रहा है। वहीं रूस ने इस इलाके में सेना की नई टुकड़ियों को उतार दिया है। वहीं अमेरिका का कहना है कि जिन इलाकों में रूस ने कब्जा किया था उनमें से 50 फीसदी को मुक्त करा लिया गया है। इसके अलावा यूक्रेन की अर्थव्यवस्था भी पटरी पर आ रही है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यूक्रेन रूस की सेना को कड़ी टक्कर दे रहा है। ब्लिंकन ने यह माना कि यूक्रेन की मदद में देरी हुई और कुछ समस्या खड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि इस देरी की भरपाई अमेरिका करेगा और यूक्रेन को दी जाने वाली सहायता में कोई कमी नहीं आने देगा।

एलियंस कभी भी हमारे ग्रह पृथ्वी पर नहीं आए: एलन मस्क

-2024 मिलकेन इंस्टीट्यूट ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में किया यह दावा

न्यूयार्क (एजेंसी)। तकनीक के दीवाने, प्रतिभाशाली दूरदर्शी, अरबपति एलन मस्क ने बताया है कि वे एलियन्स के होने पर विश्वास क्यों नहीं कर पाए। मस्क का मानना है कि एलियंस कभी भी हमारे ग्रह पृथ्वी पर नहीं आए हैं। लॉस एंजिल्स में आयोजित 2024 मिलकेन इंस्टीट्यूट ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में ÷मानव जाति और अन्य हल्के विषयों को कैसे बचाया जाए÷।

शीर्षक वाले पैनल में बारहमासी प्रश्न को संबोधित करते हुए, मस्क ने कहा, अगर हम ब्रह्मांड में मानवता को पड़ताली यान भेजते हैं, हमें निश्चित रूप से लंबे समय से मृत एलियन सभ्यताओं के अवशेष मिलेंगे। स्पेसएक्स के संस्थापक की कंपनी लगभग 6,000 इकाइयों वाले स्टारलिंक उपग्रह समूह का संचालन करती है। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी को कभी भी अज्ञात उड़ने वाली वस्तुएं नहीं मिलीं जो विदेशी उपस्थिति का संकेत दे सकती हैं। मस्क ने कहा कि उन्होंने एलियंस का कोई सबूत नहीं देखा है। मानवता के भविष्य के लिए इसका मतलब पर विचार करते हुए मस्क ने सुझाव दिया कि एलियन सभ्यताओं के साथ संपर्क की अनुपस्थिति यह संकेत दे सकती है कि उन्नत समाज 'अनिश्चित और दुर्लभ' दोनों हैं। उन्होंने कहा कि अगर वहां एलियंस हैं और कोई एलियन प्रजाति दस लाख साल तक जीवित रहने में कामयाब रही है, तो उसे पूरी आकाशगंगा में बसने में सक्षम होना चाहिए था।मस्क ने पूछा, 'तो, उन्होंने ऐसा नहीं किया, तो क्यों नहीं?

मुझे लगता है कि उत्तर शायद यह हो सकता है कि सभ्यता अनिश्चित और दुर्लभ है। और हमें वास्तव में मानव सभ्यता को विशाल अंधेरे में एक छोटी मोमबत्ती की तरह सोचना चाहिए।' उन्होंने तर्क दिया कि यह मानव सभ्यता की सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करता है। उन्होंने जोर देकर कहा, 'हमें यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए कि मोमबत्ती बुझ न जाए।' बता दें कि एलन मस्क वैज्ञानिक ना होने के बावजूद उनके विज्ञान पर विचारों को लोग जानना चाहते हैं क्योंकि वे वैज्ञानिक नवाचारों का उद्योगों में लाने का बहुत कोशिश करते रहते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी ने वाराणसी से तीसरी बार दाखिल किया नामांकन, दिग्गज नेता रहे मौजूद

-दशाश्वमेध घाट पर मंत्रोच्चार के बीच गंगा पूजन कर आरती की

वाराणसी।

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के बाद अगले चरण के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया जारी है। इसी बीच आज यूपी की वाराणसी सीट से पीएम नरेंद्र मोदी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। यह तीसरी बार है जब नरेंद्र मोदी 2014 और 2019 में जीत के बाद यहां से चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट पर मतदान एक जून 2024 को अंतिम चरण में होगा। पीएम मोदी का नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, और एनडीए शासित राज्यों के सीएम मौजूद थे। नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले पीएम मोदी ने दशाश्वमेध घाट पर पूजा-अर्चना की।

पीएम मोदी ने काल भैरव के दर्शन करने के बाद नामांकन दाखिल करने के लिए कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। उनके साथ अमित शाह, राजनाथ सिंह, चिराग पासवान, रामदास अठावले, एकनाथ शिंदे और योगी आदित्यनाथ समेत कई दिग्गज मौजूद थे। मोदी के नामांकन के 4 प्रस्तावक रहे। इसमें अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त निकालने वाले पंडित गणेश्वर शास्त्री पहले थे। इसके अलावा ओबीसी समाज से आने वाले और संघ के पुराने और समर्पित कार्यकर्ता रहे बैजनाथ पटेल, ओबीसी समाज से ही लालचंद कुशवाहा और दलित समाज से आने वाले संजय सोनकर भी थे।

पीएम मोदी ने मंगलवार सुबह दशाश्वमेध घाट पर पुरोहितों के मंत्रोच्चार के बीच गंगा का पूजन कर आरती की। पीएम क्रूज पर सवार होकर नमो घाट पहुंचे। नमो घाट से सड़क मार्ग से मैदागिन स्थित बाबा कालभैरव मंदिर में पहुंचे और उन्होंने मंदिर में दर्शन किए।

पीएम मोदी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा-काशी से मेरा रिश्ता अद्भुत है, अभिन्न है और अप्रतिम हैज बस यही कह सकता हूं कि इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। पीएम मोदी ने एक्स पर काशी का एक खूबसूरत

वीडियो भी साझा किया। सीएम योगी ने पीएम मोदी के वीडियो के साथ अपने एक्स पर पोस्ट किया, नमामि गंगे तव पाद पंकज। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद पीएम मोदी रुद्राक्ष कन्वेन्शन सेंटर में बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इससे पहले मोदी ने सोमवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में विधि विधान से दर्शन पूजन की थी। वह सोमवार शाम को करीब छह किलोमीटर का रोड शो पूरा करने के बाद श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे थे। वाराणसी में लोकसभा चुनाव के सातवें चरण के तहत एक जून को मतदान होगा और 4 जून को परिणाम घोषित किए जाएंगे।

सीएम सुक्खू ने चेताया: कांग्रेस छोड़ भाजपा में गए विधायक जाएंगे जेल

शिमला।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने उन दलबदलुओं को सख्त लहजे में चेतावनी दी है जो कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए है। सुक्खू ने कहा कि कांग्रेस छोड़ भाजपा में गए सभी छह विधायक जल्द ही सलाखों के पीछे होंगे। शिमला में सोमवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सुक्खू ने कहा कि सरकार साढ़े तीन साल और चलेगी और 2027 में दोबारा चलेगी। उन्होंने कहा कि 1 जून के बाद राज्य की जनता भ्रष्ट लोगों को सबक सिखाएगी।सुक्खू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के छह दागी नेता धन-बल के बल पर बिक गए और उन्होंने पार्टी से बगावत कर दी। सुक्खू ने कहा कि बजट 2024-25 पेश करने के बाद सभी दागी नेताओं ने सरकार की तारीफ की, लेकिन जब उन्हें भाजपा ने पैसों का लालच दिया तो वे राजनीतिक बाजार में बिक गए और दूसरी किस्त लेने के लिए पंचकूला भाग गए।शिमला में कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में आयोजित चुनावी रैली के दौरान वामपंथी सीपीआईएम के नेताओं ने भी शिमला में कांग्रेस के साथ एक मंच साझा किया। शिमला लोकसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार विनोद सुल्तानपुरी ने सोमवार को सीएम सुक्खू की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके बाद चौड़ा मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस से बगावत कर बीजेपी में शामिल हुए बागी विधायकों पर जमकर हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के पास जनता की ताकत है। यह लड़ाई सरकार या मुख्यमंत्री पद बचाने की नहीं है, बल्कि उन भ्रष्ट लोगों को सबक सिखाने और संविधान और लोकतंत्र को बचाने की है। भाजपा नेताओं ने पैसे के माध्यम से सरकार गिराने की साजिश रची थी।

यह चुनाव भविष्य की राजनीति तय करेगा। सीएम सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता इन चुनावों में बीजेपी को हराकर खरीद-फरोख्त की राजनीति को करारा जवाब देगी और पूरे देश के लिए एक मिसाल कायम करेगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने एक राज्यसभा सीट चुरा ली है, लेकिन राज्य की जनता चारों लोकसभा सीटें कांग्रेस को देगी। उन्होंने कहा कि इन सभी भ्रष्ट लोगों को सलाखों के पीछे डाला जाएगा।

मतदान के बीच बीजेपी-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प, कई घायल

-इलाके में मची अफरा-तफरी, पुलिस ने किया मामला दर्ज

कानपुर।

लोकसभा चुनाव में चौथे चरण के मतदान में कानपुर में कांग्रेस और बीजेपी समर्थक आपस में भिड़ गए। इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार आलोक मिश्रा और बीजेपी उम्मीदवार रमेश अवस्थी के समर्थकों के बीच लात-घूंसे चले और पथराव हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराया, इस दौरान इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी। दरअसल, विगत दिवस मतदान के लिए कानपुर में बर्रा-2 के आरएस एजूकेशन सेंटर में मतदान केंद्र बनाया गया था तभी यहां देर शाम 5:30 बजे इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी आलोक मिश्रा के समर्थक और बीजेपी कार्यकर्ताओं में बहस हो गई, जो इतनी बढ़ी की मारपीट होने लगी। थोड़ी देर बाद पथराव होने लगा इससे मतदान केंद्र पर मतदान करने आए लोग डर गए। कई लोग तो भाग निकले। झड़प में बीजेपी के कई कार्यकर्ता घायल हो गए। जिसके बाद घटना से आक्रोशित भाजपाई थाने पहुंचे गए और हंगामा किया, जिसके चलते कई थानों की पुलिस बुलानी पड़ी। जानकारी के अनुसार, मतदान खत्म होने के बाद बर्रा के यादव मार्केट इलाके मे स्थित आरएस एजुकेशन सेंटर पोलिंग बूथ के बाहर बीजेपी और कांग्रेस प्रत्याशी के कैंप लगे थे। जब दोनों ओर के कार्यकर्ता अपना-अपना कैंप हटा रहे थे तो उसी दौरान दोनों ओर से नारेबाजी शुरू हो गई। ये नारेबाजी मारपीट में तब्दील हो गई। फिर दोनों ओर से पथराव शुरू हो गया, जिसमें कई कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस जब कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर थाने जाने ले जाने लगी तो बीजेपी कार्यकर्ताओ ने उनके साथ मारपीट की जिसके बाद बड़ी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता और नेता थाने पर पहुंच गए और नारेबाजी व हंगामा करने लगे। थाने में हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी अमले के साथ पहुंच गए। उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओ को शांत कराने का प्रयास कर एक्शन लेने का आश्वासन दिया, जिसके बाद बवाल शांत हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मुंबई में करेंगे रोड शो

मुंबई।

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण का मतदान 20 मई को होने वाला है. इसमें मुंबई की छह सीटों तथा ठाणे जिले की तीन सीटों पर मतदान होगा. अब मतदान में 4-5 दिन बचे हैं और मुंबई में प्रचार अभियान तेज हो गया है. इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 15 मई को तथा परसों 17 मई को मुंबई में भाजपा महायुति के उम्मीदवारों के प्रचार करने के लिए मुंबई आएंगे। इस मौके पर नरेंद्र मोदी मुंबई में बड़ा शक्ति प्रदर्शन करते हुए रोड शो भी करने वाले हैं. इसको ध्यान में रखते हुए आज मुंबई में कई सड़कें बंद रहेंगी। मुंबई यातायात विभाग के पुलिस उपायुक्त राजू भुजबल ने इसकी जानकारी दी है. उन्होंने कहा है कि 15 मई को मुंबई में नरेंद्र मोदी के रोड शो के कारण मुंबई का एलबीएस मार्ग दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक बंद रहेगा। साथ ही, माहुल घाटकोपर रोड पर मेघराज जंक्शन से आरबी कदम जंक्शन तक उत्तर और दक्षिण दोनों तरफ यातायात दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक पूरी तरह से बंद रहेगा। मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने 14 और 15 तारीख को पूरे एलबीएस मार्ग और एलबीएस मार्ग को जोड़ने वाली मुख्य सड़क से 100 मीटर की दूरी तक नो पार्किंग लगा दी है. नरेंद्र मोदी अपने पहले दौरे में घाटकोपर से मुलुंड तक रोड शो करेंगे. जहां निवर्तमान सांसद मनोज कोटक का टिकट काटकर मिहिर कोटेचा को उम्मीदवार बनाया गया है. मिहिर कोटेचा को ठाकरे गुट के उम्मीदवार संजय दीना पाटिल से कड़ी टक्कर मिलेगी. ऐसे में इस रोड शो से मिहिर कोटेचा को फायदा हो सकता है.

संक्षिप्त समाचार

रॉयल एनफील्ड में लगी आग ब्लास्ट से 1 की मौत,9 झुलसे

हैदराबाद। सड़क पर दौड़ती रॉयल एनफील्ड बुलेट के इंजन में आग लग गई। इस दौरान मौके पर मौजूद कुछ लोग आग बुझाने की कोशिश करते हैं लेकिन बुलेट में अचानक ब्लास्ट हो गया। इस हादसे में 1 की मौत हो गई और 9 लोग बुरी तरह झुलस गए, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। भवानीपुरा पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर बालास्वामी ने बताया कि बाइक में आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है, लेकिन प्रथम दृष्टया ये इंजन हीट का मामला लगा रहा है। बाइक चालक लंबे समय से बाइक चल रहा था और जैसे ही वो वोल्टा होटल के पास पहुंचा अचानक से बाइक के इंजन सेक्शन में आग लग गई, जिसके बाद बाइक चालक जान बचाने के लिए बाइक को छोड़कर कूद गया। यह घटना मोघालपुरा भवानीपुरा पुलिस स्टेशन का है, जहां वोल्टा होटल के पास एक चलती हुई बुलेट बाइक के इंजन में अचानक आग लग गई। आग लगते ही चालक ने बाइक से कूदकर अपनी जान बचाई लेकिन इस दौरान मौके पर मौजूद तमाम लोग बाइक की आग बुझाने लगें। मौके पर मौजूद कई लोग बाइक को घेर कर खड़े हैं और आग को बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। इस दौरान बाइक के फ्यूल टैंक में अचानक से तेज विस्फोट होता है और आग की भयानक लपटें आसपास मौजूद लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लेती हैं। इस दौरान स्थानीय लोग आग बुझाने के लिए आगे बढ़े और बाइक पर पानी और रेत इत्यादि फेकने लगें। तभी बाइक के फ्यूल टैंक में एक तेज ब्लास्ट हुआ और आसपास खड़े लोग बुरी तरह झुलस गए। इस हादसे में 1 व्यक्ति की आज सुबह अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई है और अन्य 9 लोगों का इलाज जारी है।

चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने पर 17 लोगों को लिया हिरासत में

दरभंगा। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण का मतदान सोमवार को सम्पन्न होगा गया। दरभंगा में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। मतदान सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे तक चला। इस दौरान कई बार असामाजिक तत्वों द्वारा मतदान कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया गया। पुलिस ने चुनाव कार्य में बाधा डालने वाले 17 लोगों को हिरासत में लिया। पूरे जिले में किसी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। दरभंगा के जिलाधिकारी राजीव रोशन ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि शाम 6 बजे तक दरभंगा लोकसभा सीट पर करीब 57.97त्न मतदान हुआ। उन्होंने कहा है कि मतदान प्रतिशत और बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार वोट प्रतिशत में थोड़ी कमी आई है। उन्होंने शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी जिला वासियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि शुरुआती में कुछ जगहों पर ईवीएम में खराबी की शिकायत मिली थी, जिसे जल्द ही दुरुस्त कर लिया गया और मतदान सुचारू रूप से जारी रहा। कुछ जगहों पर मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिये जाने की शिकायतें मिलीं हैं। उस पर भी नजर रखी जा रही है। जांच के बाद लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

भारत-ईरान में चाबहार समझौते से भड़का अमेरिका,पाबंदी की धमकी दी

नई दिल्ली।

इजरायल और ईरान के बीच कुछ दिनों से तनाव चल रहा है। पहले इजरायल ने ईरानी कमांडर को एक हवाई हमले में मार डाला। कुछ ही दिन पहले अमेरिका ने इजरायल पर हमले के बाद ईरान के मानवरहित हवाई वाहन उत्पादन को निशाना बनाते हुए उस पर नए प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। इसके बाद भारत और ईरानी सरकार के बीच चाबहार पोर्ट के लिए बड़ी डील हुई है। भारत ने शाहिद बेहश्ती बंदरगाह टर्मिनल के परिचालन के लिए 10 साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह पहला मौका है जब भारत विदेश में स्थित किसी बंदरगाह का प्रबंधन अपने हाथ में लेगा। इससे भारत को मध्य एशिया के साथ कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही इस समझौते को पाकिस्तान के ग्वादर में चीन द्वारा बनाए जा रहे बंदरगाह की काट के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि भारत और ईरान के बीच इस समझौते से अमेरिका बौखला गया है। अमेरिका ने इस करार की निंदा की और कहा कि ईरान के साथ किसी भी देश को समझौता करने से पहले यह जान लेना चाहिए कि उस पर भी पाबंदियां लगाई जा सकती हैं।

चाबहार पोर्ट ईरान के दक्षिणी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है। इस बंदरगाह को भारत और ईरान मिलकर विकसित कर रहे हैं। इस बंदरगाह को लेकर बीते सोमवार के दिन पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की उपस्थिति में इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) और ईरान के पोर्ट्स एंड मेरिटाइम ऑर्गेनाइजेशन ने अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, आईपीजीएल करीब 12 करोड़ डॉलर निवेश करेगा जबकि 25 करोड़ डॉलर की राशि कर्ज के रूप में जुटाई जाएगी।

भारत और ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह को लेकर हुए समझौते के कुछ घंटों बाद अमेरिका की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। उसने कहा, ईरान के साथ व्यापारिक सौदों पर विचार करने वाले किसी भी देश को पाबंदियों के संभावित जोखिमों के बारे में पता होना चाहिए।

स्वाति की चुप्पी के बाद अब एक्शन ले सकती है पुलिस

नई दिल्ली।

आम आदमी पार्टी की सांसद और दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने सोमवार को पुलिस को कॉल करके मुख्यमंत्री आवास में उनके साथ मारपीट का आरोप लगाया। मालीवाल ने थाने जाकर भी मौखिक शिकायत की और बताया कि केजरीवाल के पीए बिभव कुमार ने उन पर हमला किया। पीसीआर कॉल के बाद पुलिस ने जो नोट लिखा है उसके मुताबिक मालीवाल ने कहा कि केजरीवाल ने उन पर यह हमला कराया। पीसीआर पर दो कॉल करने के बाद दिल्ली पुलिस मुख्यमंत्री आवास पर पहुंची। इस बीच स्वाति मालीवाल एफआईआर दर्ज करवाने के लिए सिविल लाइंस थाने पहुंचीं। बताया जाता है कि इस दौरान उन्हें कुछ फोन कॉल आए जिसके बाद वह यह कहकर लौट गईं कि कुछ देर बाद वापस आएंगी। लेकिन देर रात तक वापस नहीं आईं। स्वाति मालीवाल ने पूरी तरह चुप्पी साध ली है। उन्होंने ना तो मीडिया के सामने कुछ कहा है और ना ही सोशल मीडिया पर कोई प्रतिक्रिया दी। ऐसे में पुलिस उनसे लिखित शिकायत का इंतजार कर रही है। स्वाति मालीवाल की शिकायत को फिलहाल पेंडिंग में रखा गया है और खबर लिखे जाने तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई थी। पुलिस इस मामले में लीगल ओपिनियन ले रही है कि क्या डीडी एंट्री और पीसीआर कॉल के आधार पर आगे बढ़ा जाए। कई केस में इस प्रोटोकॉल का पालन किया जाता है। जानकारों के मुताबिक पुलिस के पास अब दो विकल्प हैं। पीसीआर और डीडी एंट्री के आधार पर पुलिस एफआईआर दर्ज कर सकती है। आमतौर पर पीड़ित के सामने नहीं आने पर ऐसा किया जाता है। इसके अलावा पुलिस मालीवाल से संपर्क करके उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराने को कह सकती है।

जरूरत पड़ी तो हरियाणा में सेंध लगाने को भी तैयार भाजपा

चण्डीगढ़। हरियाणा में लोकसभा की सभी दस सीटों के लिए छठवें चरण में 25 मई को मतदान होना है, लेकिन राज्य की राजनीति लोकसभा के बजाय विधानसभा को लेकर गरमाई हुई है। भाजपा की सरकार से तीन निर्दलीय विधायकों के समर्थन वापस लेने से 88 सदस्यीय प्रभावी सदन में भाजपा को समर्थन दे रहे विधायकों की संख्या 43 रह गई है। विपक्ष इसे अल्पमत बताकर राज्य सरकार से इस्तीफे की मांग कर रहा है। चूंकि विपक्षी कांग्रेस ने 13 मार्च को ही सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव रखा था, इसलिए वह तकनीकी रूप से छह माह तक अविश्वास प्रस्ताव नहीं ला सकती है। यही वजह है कि वह राज्यपाल से मांग भर कर रहा है। राज्यपाल भी केवल उसी स्थिति में सरकार से बहुमत सिद्ध करने को कह सकते हैं जबकि विपक्ष बहुमत के आंकड़े के साथ सरकार बनाने का दावा पेश करे। इसकी संभावना कम ही है। हालांकि भाजपा हर स्थिति के लिए तैयार है। सूत्रों के अनुसार जजपा के कम से कम दो विधायक भाजपा के साथ हैं। ऐसे में सदन में परीक्षण की स्थिति आने पर भी वह सरकार बचाने में सफल होगी।भाजपा नेताओं का कहना है कि विपक्ष का सारा शिगूफा लोकसभा चुनावों को लेकर है। उसने राज्य में ऐसा माहौल बनाया है ताकि लोकसभा चुनाव में भाजपा को कमजोर दिखाया जा सके। भाजपा नेताओं का दावा है कि राज्य में वह सभी सीटें फिर से जीतेगी, हालांकि पार्टी दो से तीन सीटों पर कड़ा मुकाबला मान रही है।

सुशील मोदी को श्रद्धांजलि देने वालों का लगा तांता: पीएम ने दुख जताया, संघ प्रमुख बोले बिहार का चिंतक खो दिया

पटना।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता सुशील मोदी का बीती रात निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज पटना के गंगा तट पर किया जाएगा। उनके निधन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ,भाजपा सहित पूरा देश व्यथित है। दुखी मन से लोग उन्हे श्रद्धांजलि दे रहे हैं। उनसे जुड़े स्मरणों पर चर्चा हो रही है। सुशील मोदी की मौत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, तेजस्वी यादव, लालू प्रसाद यादव समेत कई नेताओं ने दुख जताया है। पीएम मोदी ने ट्वीट में कहा पार्टी में अपने मूल्यवान सहयोगी और दशकों से मेरे मित्र रहे सुशील मोदी जी के असामयिक निधन से अत्यंत दुख हुआ है। बिहार में भाजपा के उत्थान और उसकी सफलताओं के पीछे उनका अमूल्य योगदान रहा है।आपातकाल का पुरजोर विरोध करते हुए, उन्होंने छात्र राजनीति से अपनी एक अलग पहचान बनाई थी। वे बेहद मेहनती और मिलनसार विधायक के रूप में जाने जाते थे। राजनीति से जुड़े विषयों को लेकर उनकी समझ बहुत गहरी थी। उन्होंने एक प्रशासक के तौर पर भी काफी सराहनीय कार्य किए। जीएसटी पारित होने में उनकी सक्रिय भूमिका सदैव स्मरणीय रहेगी। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं। ओम शांति!

आरएसएस ने शोक व्यक्त किया

आरएसएस चीफ मोहन भागवत और संघ सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने दुख जताया है आरएसएस की तरफ से किए गए एक्स पोस्ट में कहा है कि सुशील जी सारे देश विशेषतः बिहार की चिंता करते थे। उनके निधन से एक जागृत सामाजिक कार्यकर्ता व कुशल राजनीतिक नेता को हमने खोया है।मोहन भागवत ने कहा कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री व सांसद सुशील कुमार मोदी के अचानक निधन से दुख हुआ। इस समय हम सब की भावना उनके परिवार तथा असंख्य मित्र-प्रशंसकों के साथ है। संघ के निष्ठावान स्वयंसेवक एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री रहे सुशीलजी सारे देश विशेषतः बिहार की चिंता करते थे। उनके निधन से एक जागृत सामाजिक कार्यकर्ता व कुशल राजनीतिक नेता को हमने खोया है। वे सार्वजनिक जीवन में सैद्धांतिक निष्ठा व पारदर्शिता के आदर्श उदाहरण थे। उनके परिवार को अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें दुःख सहन करने की शक्ति दे तथा दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करे। ॐ शांन्तिः

भाजपा ने कहा बिहार समर्पित थे सुशील मोदी

जेपी नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। विद्यार्थी परिषद से लेकर अभी तक हमने साथ में संगठन के लिए लंबे समय तक काम किया। सुशील मोदी जी का पूरा जीवन बिहार के लिये समर्पित रहा। बिहार को जंगलराज से बाहर निकालकर विकास के पथ पर लाने में सुशील मोदी जी का प्रयास बहुत मददगार रहा है। उनका ना होना असंख्य कार्यकताओं के लिए यह एक अपूरणीय क्षति है । प्रभु दिवंगत आत्मा को शांति और परिजनों को सम्बल प्रदान करें। ॐ शान्ति!इस बीच, बिहार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक जताते हुए कहा कि बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री, भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य सुशील कुमार मोदी जी का निधन अत्यंत दुःखद है। मेरी ओर से उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! उन्होंने देश और समाज की जीवनपर्यंत सेवा की। उनका संघर्ष कार्यकर्ताओं के लिए हमेशा प्रेरणा का कार्य करेगा। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान और शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति दें।

चारधाम यात्रा में क्षमता से अधिक श्रद्धालु पहुंचे, 9 सौ से अधिक वाहन 60 किमी लंबे जाम में फंसे

देहरादून।

चारधाम यात्रा में क्षमता से अधिक श्रद्धालु पहुंच गए। जिसके कारण व्यवस्था चरमरा गई। रेलमपेल चौतरफा भीड़ हो गई और 9 सौ से अधिक वाहन जाम में फंस गए। करीब 60 किमी लंबे जाम सैकड़ों लोग दिनभर फंसे रहे। अब हालात ये हैं कि गेट सिस्टम से यमुनोत्री मार्ग पर तो इंतजामात पटरी पर लौटते दिख रहे हैं, लेकिन गंगोत्री मार्ग पर व्यवस्थाएं चरमरा गईं। क्षमता से अधिक यात्री पहुंचने पर ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ गई। गंगोत्री यात्रा मार्ग पर गंगनानी से गंगोत्री के बीच लगभग 60 किमी के दायरे में करीब 900 यात्री वाहन दिनभर जाम में फंसे रहे। रविवार रात से सोमवार शाम तक गंगनानी से हर्षिल तक ट्रैफिक रेंगता रहा। यात्री हलकान रहे। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने दोपहर बाद उत्तरकाशी, भटवाड़ी, शिव गुफा, नगुण बैरियर पर वाहन रोक दिए और गंगोत्री की तरफ जा रहे वाहनों के दबाव को कम किया। पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने बताया कि गंगोत्री धाम में पार्किंग फुल होने और यात्रियों की संख्या बढ़ने से सोमवार को दोपहर बाद गंगोत्री धाम जाने वाले सभी यात्रियों को नेताला से आगे नहीं जाने दिया गया। यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत नगुण बैरियर, शिवगुफा ब्रह्मखाल, उत्तरकाशी, नेताला, हीना आदि स्थानों पर रोका गया है। जब तक गंगनानी से लेकर गंगोत्री तक वाहनों का दबाव नहीं हटता, तब तक यात्रियों को आगे नहीं जाने दिया जाएगा। वहीं,जाम में फंसे कई श्रद्धालु उत्तरकाशी से बिना दर्शन किए वापस लौट गए। दरअसल, बीते रविवार को यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर जाम से सैकड़ों यात्रियों ने रास्ता बदल गंगोत्री धाम का रुख किया। डामला से बर्नीगाड़, राड़ी टॉप बाईपास होकर यात्री गंगोत्री पहुंचने लगे। ऐसे में एक तरफ से गंगोत्री जाने वाले वाहन और दूसरी तरफ से लौट रहे वाहन संकरे रास्तों में फंसने लगे। सोमवार को गंगोत्री जा रहे वाहन जहां गंगनानी में जाम में फंस गए। वहीं, गंगोत्री से लौट रहे वाहनों ने धराली से लेकर हर्षित, झाला बैंड, सुक्की टॉप तक सड़क को जाम कर दिया। दिनभर यह स्थिति रही। कई यात्री 24 घंटे तक जाम फंसे रहे। सोमवार को झाला, सुक्की के आसपास एक वाहन का पट्टा टूट गया। इससे वाहन सड़क पर खड़ा हो गया। इससे जाम और बढ़ गया। जो यात्री गंगोत्री से लौट रहे थे वे भी मार्ग में फंस गए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

नर्मदा नदी में नहाने उतरे ८ लोग डूबे, ३ बच्चे भी शामिल,पोइचा घूमने आए थे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

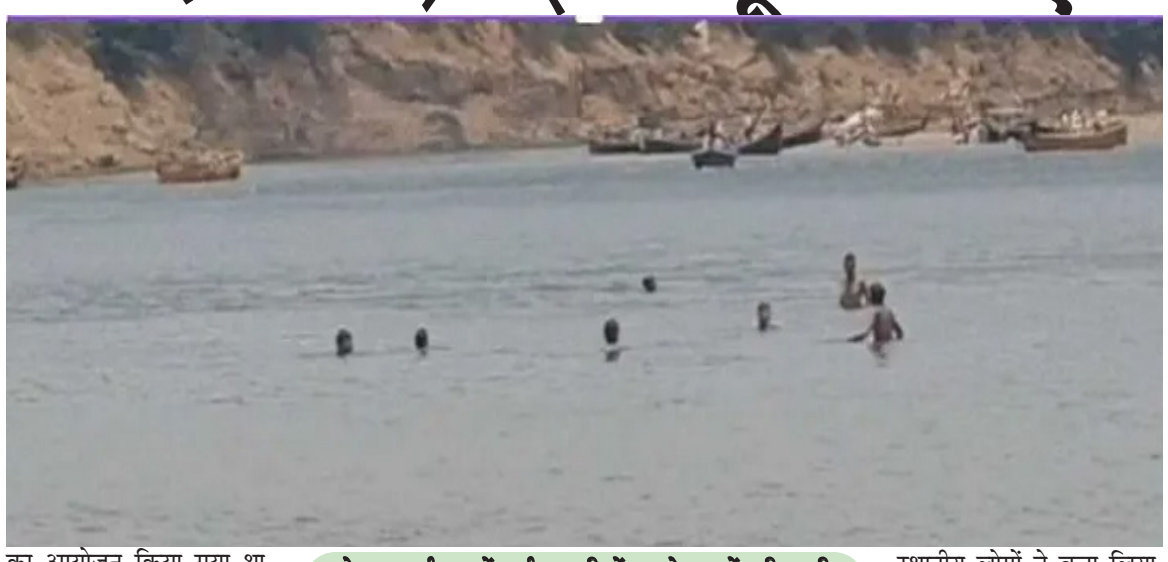

सूरत, गुजरात के सूरत से नर्मदा स्थित पोइचा घूमने आए ८ पर्यटक नदी में डूब गए. इनमें से १ शख्स को बचा लिया गया है, जबकि सात लोगों की तलाश जारी है. जानकारी के मुताबिक घटना उस समय हुई, जब ८ लोग नर्मदा नदी मे स्नान करने उतरे. इस दौरान वे नदी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा सके और उसमें डूबने लगे. ये सभी लोग एक ही सोसायटी के हैं. जब की एक ही परिवार के चार सदस्य है.

जानकारी के मुताबिक, सूरत के सानिया हामेद गांव स्थित कृष्णा पार्क सोसायटी में कुछ दिन पहले भागवत सप्ताह का आयोजन किया गया था. बल्दानिया और हादिया परिवार ने इस सप्ताह प्रदर्शन किया. इस सप्ताह को पूरा करने के बाद भरत और समाज के सात अन्य छोटे बच्चे और किशोर त्रिवेणी संगम पर स्नान करने के लिए पोइचा गए. पोइचा में नर्मदा नदी में स्नान करते समय भरत सहित सभी लोग डूब गये. हालांकि इनमें से एक को स्थानीय लोगों ने बचा लिया, लेकिन नर्मदा नदी में डूबे सात लोगों की तलाश जारी है. सूचना मिलने के बाद पुलिस और अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे और नदी के लोगों की तलाश मे जुट गए. नदी से बचाए गए व्यक्तिको अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

पोइचा दुर्घटना में नर्मदा नदी में डूबने वालों की सूची
भरतभाई मेघा बल्दानिया (उम्र ४५) – पिता
अर्णव भरत बल्दानिया (उम्र १२) – पुत्र
मैत्र्य भरत बल्दानिया (उम्र १५) – पुत्र
व्रज हिम्मत बल्दानिया (उम्र ११) – चचेरा भाई
आर्यन राजू झिंझाला (उम्र ७) – भतीजा
भार्गव अशोक हडिया (उम्र १५) – चचेरा भाई
भावेश वल्लभ हडिया (उम्र १५) – चचेरा भाई

श्री गुरुकृपा विद्या संकुल, सीबीएसई बोर्ड द्वारा उधना में राज्य स्तरीय वर्कशॉप का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, श्री गुरुकृपा विद्या संकुल, सीबीएसई बोर्ड द्वारा उधना में राज्य स्तरीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया. इस राज्य स्तरीय वर्कशॉप में गुजरात राज्य के ३१२ से अधिक पूर्व-प्राथमिक शिक्षक, प्रिंसिपल, जिला स्तरीय प्रशिक्षण समन्वयक, सीटी समन्वयक, डाएट-सूरत के प्रोफेसर और शिक्षक एवं सीबीएससी बोर्ड अजमेर-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में से विशेषज्ञ रश्मी राठौड़ और धर्मेश व्यास उपस्थित थे.

प्रस्तुत कार्यक्रम में सीबीएसई बोर्ड मुख्यालय-नई दिल्ली एनसीआरटी और सीबीएससी-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-अजमेर से ऑनलाइन सत्र और बालवाटिका और जादुई पिटारा के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई. इस कार्यक्रम में जानकारी प्रदान की गई कि किंडरगार्टन और कक्षा- ढ और ढुढ के छात्रों में खेल के साथ सीधे सीखने का दृष्टिकोण विकसित करने के लिए मैजिक पिटारा का उपयोग कैसे किया जा सकता है. कार्यशाला में उपस्थित ज्ञान एवं ज्ञान उपासकों को विभिन्न शिक्षण सामग्रियों का उपयोग कैसे करें इसकी प्रत्यक्ष जानकारी दी गई. श्री गुरुकृपा विद्या संकुल के अध्यक्ष मुकेशभाई पटेल ने अतिथियों का स्वागत किया.

हिंदू नेताओं को धमकी देने के मामले में एक और हिरासत में,कोर्ट ने १२ दिन की रिमांड दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, मौलाना द्वारा कॉन्फ्रेंस कॉल के जरिए दी गई धमकी के मामले में क्राइम ब्रांच एक-एक कर आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है. हिंदू संगठनों और हिंदुत्व विचारधारा से जुड़े लोगों को फोन पर धमकियां देने की घटनाएं सामने आईं. इसके आधार पर एनआईए समेत जांच एजेंसियां जांच में जुट गई हैं. क्राइम ब्रांच ने मोहम्मद साबिर को कोर्ट में पेश कर १२ दिन की रिमांड हासिल कर ली है.

चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि मौलाना और अन्य सांप्रदायिक विचारधारा वाले लोगों द्वारा हिंदू संगठनों के नेताओं को फोन पर धमकियां दी जा रही थीं और उनकी रेकी भी की गई थी. इस मामले में मौलवी, साबिर और महाराष्ट्र के नांदेड़ के रहने वाले एक शख्स की संलिप्तता सामने आई है. उपदेश राणा को कॉन्फ्रेंस कॉल कर धमकी दी गई थी. जिसके आधार पर जांच भी शुरूकर दी गई है.

क्राइम ब्रांच के डीसीपी बी.पी. रोजिया ने बताया कि बिहार से मोहम्मद साबिर की गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया. माननीय न्यायालय द्वारा १२ दिन का रिमांड स्वीकृत किया गया है. सनातन धर्म के संस्थापक उपदेश राणा को जान से मारने के लिए हथियार और उनकी रेकी के बारे में सोशल मीडिया चैट से बहुत कुछ पता चला है. मोहम्मद साबिर के बाद महाराष्ट्र के नांदेड़ से शकील उर्फ रजाक सत्तार शेख को हिरासत में लिया गया है और पूछताछ के लिए सूरत लाया गया है. शकील की भूमिका भी अहम बताई जा रही है. उन्होंने आगे कहा कि कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान वह धमकी भी दे रहा था और यह भी पता चला है कि उपदेश राणा, राजा सिंह और नुपुर शर्मा की रेकी करने की बात हुई थी. जिसके आधार पर जांच शुरूकर दी गई है. सोशल मीडिया के जरिए अभी भी ५ से ७ लोगों से पूछताछ की जा सकती है. जो सोशल मीडिया के जरिए आरोपियों के संपर्क में थे.

सूरत के आभवा गांव में पाकिंग में रखी बस में लगी आग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, भीषण गर्मी के कारण शहर में आग लगने कि घटनाएँ सामने आती रहती है. ऐसी ही एक घटना सूरत के आभवा गांव से सामने आई. जहा भीषण गर्मी के कारण खड़ी सिटी बस में आग लग गई. जिसके बाद सूचना मिलने पर दमकल विभाग कि टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया. हालाँकि, आग के समय आग की लपटें बस से बाहर निकलते ही आसपास के पेड़ों को भी अपनी चपेट में ले लिया. लेकिन आग किस कारण से लगी इसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है.

बस रूट पर चलने वाली एक सिटी बस आभवा गांव में पार्किंग में खड़ी थी, अचानक बस में आग लग गई जिससे ग्रामीणों में भगदड़ मच गई. अचानक आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया. ग्रामीणों ने अग्निशमन विभाग से संपर्क किया, जिसके बाद वेसू फायर स्टेशन की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया. आग की लपटें बस से बाहर निकलते ही आसपास के पेड़ों को भी अपनी चपेट में ले लिया.

वेसू फायर स्टेशन अधिकारी मारुति सोनवले ने बताया कि सिटी बस आभवा गांव में पार्किंग में खड़ी थी. बस में ड्राइवर भी था. आग लगने से धुआं निकलने लगा तो चालक बस छोड़कर बाहर निकल गया. घटना की सूचना उन्हें स्थानीय लोगों ने दी. आग तेजी से फैला और पूरी बस जलकर खाक हो गई. आग की लपटें बाहर निकलीं और आसपास के पेड़ों को भी अपनी चपेट में ले लिया. अग्निशमन विभाग ने कूलिंग प्रक्रिया शुरूकी और आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया. खड़ी बस में आग कैसे लगी. इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है.

अग्रवाल समाज ट्रस्ट अल्थान, वेसु के द्वारा श्री श्याम मंदिर पुलिस चौकी पर ठंडे पानी उद्घाटन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, अग्रवाल समाज ट्रस्ट अल्थान वेसु के द्वारा जनसेवार्थ प्रकल्प के तहत अक्षय तृतीया १० मई को श्री हरीकृपा मार्केट में ठंडे पानी की परब के उद्घाटन के बाद श्री श्याम मंदिर पुलिस चौकी पर ठंडे पानी की माँ माधवी अग्रसेन प्याऊ का समाजसेवी सुनील गोयल द्वारा उद्घाटन किया गया. यह जन सेवा के लिए एक ओर कदम है. आयोजन के विशेष अतिथि श्री ऐन. के. डामोर एवम श्री ऐन.डी. परमार थे. इस अवसर पर कॉर्पोरेटर सुमन बेन गाड़िया भी उपस्थिति रही. आयोजन में समाज के बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे.

मुख्य रूप से समाज के अध्यक्ष विनोद चिड़ावावाला, विजय गोयल, विकाश मालचन्दका, सोनू अग्रवाल, भागचंद हुडीलवाला, राजेश धानुका, विकाश अग्रवाल, प्रकाश जोगानी, श्रीराम अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल, श्याम सिहोटिया, योगेश रामसिसरिया, पिन्टू अग्रवाल, रामनिवास अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, मुकेश कंदोई, हेमंत गर्ग, मनोज मेहरिया, पिन्टू चिरानिया, राकेश चिरानिया, सुशील अग्रवाल, रामप्रसाद अग्रवाल, श्याम जी खेतान, राहुल अग्रवाल, विश्वनाथ पचेरिया, निरंजन अग्रवाल, अरविंद गाड़िया, गोविंद बजाज, महेंद्र रेनवाल, आलोक अग्रवाल, संजय क्याल, महेंद्र अग्रवाल, सुनील सराफ, गौरीशंकर अग्रवाल, मनोज जोगानी, सुरेंदर तोलासरिया, विजय सरावगी, विमल अग्रवाल, कैलाश केजरीवाल पवन अग्रवाल लक्ष्मीकांत नेनसुखा विनीत अग्रवाल ने उपस्थित रहकर आयोजन को सफल बनाया. कार्यक्रम के दौरान सुरेश गिरनार, अशोक मोर, बसंत अग्रवाल ने इस सेवा प्रकल्प को चालू रखने और अपना सहयोग देने की सहमति प्रदान की. समाज के मीडिया प्रभारी विशाल अग्रवाल ने बताया की आयोजन बहुत सफल रहा एवम समाज के अध्यक्ष द्वारा सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया.

सूरत में सभी जोन में होर्डिंग्स की जांच करने और अगर कमजोर होर्डिंग्स हों तो हटाने के निर्देश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत समेत कई क्षेत्र में तेज हवाएं और तूफान की असर देखी गई. मुंबई में तेज हवाओं के कारण होर्डिंग गिरने से हुई दर्दनाक घटना बनी. होर्डिंग गिरने से १० से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और कई घायल भी हुए. ऐसी ही घटना सूरत में न हो, इसके लिए मनपा के सभी जोन में होर्डिंग्स की जांच करने और अगर कमजोर होर्डिंग्स हों तो उन्हें हटाने के निर्देश दिए गए हैं.

गुजरात में सूरत समेत देश के कई शहरों में कई जगहों पर तेज हवाओं के साथ बारिश हुई. सूरत में भी देर रात तेज़ हवाएँ चलीं और कुछ स्थानों पर अस्थायी तंबू लगाए थे, उसके परदे भी उड़ गये. इसके अलावा हवा के कारण बैनर और कुछ होर्डिंग ढीले होकर गिर गये. मुंबई में जो होर्डिंग्स दुर्घटना हुई थी. सूरत में दोबारा ऐसी घटना न हो, इसके लिए मनपा प्रशासन ने सभी जोन को अपने क्षेत्र में आने वाले होर्डिंग्स का सर्वे करने के निर्देश दिए हैं.

सूरत जैसे औद्योगिक शहर में चारों ओर बड़े-बड़े विज्ञापन होर्डिंग्स लगे हुए हैं. जब भी सूरत या दक्षिण गुजरात में तूफान की भविष्यवाणी की जाती है, तो सिस्टम द्वारा उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण उपायों में शहर में सभी होर्डिंग्स की स्थिरता की जांच करना

वलथान के तलाटी को असेसमेंट के लिए ४० हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

तलाटी सह मंत्री भरतवाला के घर को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा क्योंकि पुलिस जांच मूल्यांकन में भूतल का उल्लेख नहीं किया गया था।

चूंकि किराए की संपत्ति के ग्राउंड फ्लोर का जिक्र टैक्स बिल में नहीं था, इसलिए एक जागरूक नागरिक ने तलाटी से संपर्क किया और ४० हजार की रिश्वत की मांग की, इसलिए जागरूक नागरिक ने इस मामले में एसीबी से संपर्क किया और तलाटी को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया.

विवरण के अनुसार, एक सतर्क नागरिक ने इमारत के भूतल के मूल्यांकन के संबंध में कामरेज तालुका के वलथान और मनकला पंचायत के तलाटी कॉम मंत्री भरत कनुभाई वाला से संपर्क किया। इस जागरूक नागरिक को बिजली कनेक्शन लेने के लिए जीएसटी नंबर और ग्राउंड फ्लोर के असेसमेंट वाले बिल की जरूरत थी, इसलिए उसने तलाती भरतभाई से संपर्क किया और ४० हजार की रिश्वत मांगी.

हालांकि, जब शिकायतकर्ता ने सूरत एसीबी से संपर्क किया, तो एसीबी ने जाल बिछाया और मंगलवार को एसीबी की टीम ने आरोपी तलाटी को उस समय रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया, जब एक जागरूक नागरिक पंचायत में भरतभाई को ४०,००० दे रहा था। इस दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य जुटाए और आगे की कार्रवाई शुरू की. सूत्रों से पता चला है कि भरतवाला को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसके घर और अन्य ठिकानों पर भी तलाशी अभियान चलाया.